E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 119 | प्रयागराज, शुक्रवार 24 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका का ईरान के 4 राज्यों पर हमला, ट्रम्प बोले- वह बुरी तरह पिट रहें हैं, हूती विद्रोहियों का सऊदी के 2 तेल टैंकरों पर हमला

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने लगातार 12वीं रात ईरान पर हमला किया। इस बार को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। सऊदी ने दोनों जहाजों पर हमले की पुष्टि

खुजेस्तान, बुशेहर, होर्मोजगान और इलाम प्रांतों में कई जगह मिसाइल और हवाई हमले हुए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, कई सैन्य ठिकानों और रणनीतिक इलाकों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान बुरी तरह पिट रहा है। दूसरी तरफ, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के तेल टैंकर एन्सेलिया और लैला की है। ब्रिटेन की यूकेएमटीओ ने भी सऊदी तट के पास एक जहाज पर हमले की जानकारी दी है। हूती विद्रोहियों के इस कदम से बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में तनाव पैदा हो गया है और वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः-ट्रम्प की ईरान में बमबारी की धमकीः ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के पुलों और बिजली घरों पर बमबारी करेगा। इनमें तेहरान के अंदर मौजूद ठिकाने भी शामिल होंगे। हूती विद्रोहियों की धमकी- सऊदी पोर्ट से दूर रहें जहाजः यमन के ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों ने शिपिंग कंपनियों को सऊदी अरब के बंदरगाहों से दूर रहने की धमकी दी है। उन्होंने कहा अगर नहीं माना तो हमला होगा। जंग में अब तक 18 अमेरिकी सैनिकों की मौतः अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, मौजूदा संघर्ष में अब तक 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिका ने जंग में रु3.6 लाख करोड़ खर्च किएः अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि ईरान के साथ युद्ध पर अब तक 37.5 अरब डॉलर (करीब रु3.6 लाख करोड़) खर्च हो चुके हैं। कच्चा तेल 92 डॉलर के पारः अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमत 92.01 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जबकि डब्लूटीआई क्रूड 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। ईरान युद्ध से इराक को डॉलर45 अरब तक का नुकसानः-ईरान युद्ध से इराक को 45 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है। इराक के प्रधानमंत्री के वित्तीय सलाहकार मुजहर सालेह ने बताया कि फरवरी 2026 से जून 2026 के बीच देश को 40 से 45 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि होर्मुज बंद रहा तो यह नुकसान बढ़कर 50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सालेह के मुताबिक, युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के कारण इराक के तेल निर्यात में करीब 90फीसदी की गिरावट आई है। युद्ध से पहले इराक प्रतिदिन करीब 40 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता था, जिसमें से 35 लाख बैरल प्रतिदिन निर्यात होते थे। अधिकांश तेल होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते वैश्विक बाजार तक पहुंचता था।

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) के अनुसार, जॉर्डन में एक बेस पर ईरानी हमले में भारतीय मूल की अमेरिकी सैनिक एंजेला रामप्रसाद के मारे जाने की आशंका है। रक्षा विभाग ने कहा कि 25 वर्षीय आर्मी सार्जेंट के बारे में माना जाता है कि 17 जुलाई, 2026 को जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर दुश्मन के हमले के दौरान उनकी मौत हो गई। साथ ही विभाग ने कहा कि घटना की जांच चल रही है।

यूएनएससी में सिंधु जल संधि पर भारत का जवाब पाकिस्तान को- कहाः- 'सीमा पार आतंकवाद से सहयोग का आधार खत्म'

नयी दिल्ली। भारत ने यूएनएससी में पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद ने दोनों देशों के बीच सहयोग का आधार खत्म कर दिया है। भारत ने स्पष्ट किया कि आपसी विश्वास और सद्भावना के बिना सिंधु जल संधि के तहत सहयोग की उम्मीद नहीं की जा सकती। प्राकृतिक संसाधन शासन पर यूएनएससी की हाई-लेवल ओपन डिबेट में पाकिस्तान के बयान का जवाब देते हुए राजदूत हरीश परवतननेनी ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मंच का इस्तेमाल 'झूठा नैरेटिव' फैलाने के लिए किया। उन्होंने कहा कि भारत का सिंधु जल संधि पर रुख स्पष्ट और लगातार एक जैसा रहा है। सीमा पार आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के रूप में इस्तेमाल किए जाने के बीच आपसी विश्वास और सद्भावना के आधार पर सहयोग की उम्मीद नहीं की जा सकती। भारत ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान इस संवैधानिक और कानूनी वास्तविकता को जानबूझकर नजरअंदाज करता है। भारत ने यह भी कहा कि वह मानवीय आधार पर पाकिस्तान को बाढ़ की चेतावनी देता रहेगा और अपने हिस्से के जल संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए जलविद्युत परियोजनाओं को तेज करेगा।

पेपर लीक पर मोदी बोले- फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे, पीएम एजुकेशन सिस्टम की बर्बादी के जिम्मेदार-राहुल

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस पर राहुल गांधी ने कहा, 'आपने ही हमारे युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। आपने एजुकेशन सिस्टम बर्बाद होने दिया और इसके जिम्मेदार व्यक्तियों को संरक्षण दिया।' पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है। पेपर लीक की सुनवाई के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट- देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और पॉक्सो मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28फीसदी है, यानी जितने नए मामले आए, लगभग उतने ही मामलों का निपटारा भी हुआ। हालांकि, नए मामले लगातार दर्ज होने के कारण 2025 के अंत तक 2.45 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग थे, जबकि 2024 के अंत में यह संख्या 2.04 लाख थी। राहुल की 3 डिमांडः-राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर करीब 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने सबसे पहले अपने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए। राहुल कहा कि सुरक्षाबलों ने छात्रों को बुरी तरह पीटा। ऐसा क्यों किया गया। नीट पेपर लीक से देश के 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स और उनके परिवार इस घटना से प्रभावित हुए हैं। नीट मामले में किसी भी को सजा नहीं हुई। राहुल ने प्रेजेंटेशन के दौरान स्लाइड दिखाई। जिसमें उन्होंने तीन डिमांड रखीं। पहली- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। दूसरी- छात्रों को पीटने वालों पर कार्रवाई हो। तीसरा- पीएम मोदी छात्रों से माफी मांगें।

ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे, ईडी का जुर्माना रद्द, आईपीएल का पैसा विदेश भेजने का केस

बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

नयी दिल्ली। आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को

एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को आईपीएल 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े फेमा मामले में फैसला सुनाया था। इसमें मोदी को राहत देते हुए ईडी के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया था। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है और वह इस साल के आखिर या अगले जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं। आईपीएल के पहले चेयरमैन ललित मोदीः- 'मैं फैसले से बेहद खुश हूं। 16 साल से मैं यह लड़ाई लड़ रहा था। मैंने मीडिया और सभी लोगों से जो कहा था, आखिरकार वही सच साबित हुआ।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राहुल बताएं कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक क्यों-जेपी नड्डा, सदन में चर्चा के लिए तैयार

राहुल ने कहा था- 10 साल में 152 पेपर लीक हुए

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल के आरोपों का जवाब दिया। नड्डा ने कहा- राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं

तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते। राहुल इन मामले में सिर्फ भाजपा शासित सरकारों को क्यों टारगेट करते हैं। वह इतने सिलेक्टिव क्यों हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर करीब 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने सबसे पहले अपने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए। राहुल कहा कि सुरक्षाबलों ने छात्रों को बुरी तरह पीटा। ऐसा क्यों किया गया। नीट पेपर लीक से देश के 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स और उनके परिवार इस घटना से प्रभावित हुए हैं। नीट मामले में किसी भी को सजा नहीं हुई। राहुल ने कहा- जब पुलिसवाले मुझे हटाने आए तो उन्होंने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए। मुझे घसीटा तो मुंह से खून आया, दो-तीन पंच लगे, लेकिन धर्मेंद्र प्रधान को जाना होगा।

फ्रांस में कीटनाशक पर हटा बैन, पर्यावरण मंत्री का इस्तीफाःकहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

पेरिस। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बिल के दो प्रावधानों से सबसे ज्यादा विवादः-1. कीटनाशकों की मंजूरीः प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना। इसका इस्तेमाल चुकंदर, सेब और चेरी की खेती में किया जा सकेगा। नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घटेगी जिससे

परागण पर असर पड़ेगा। इससे किसानों की पैदावार और आय पर उल्टा असर पड़ेगा। 2. पानी जमा करने की इजाजतः किसानों को सिंचाई के लिए बड़े जलाशय या कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति आसानी से मिले। नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि ये जलाशय भूजल और नदियों से बड़ी मात्रा में पानी भरते हैं। इससे गर्मियों में नदियों और भूजल का स्तर घट सकता है जिससे पारिस्थितिक तंत्र पर असर पड़ेगा। आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधानः-इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके। बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।' कीटनाशकों की मंजूरी के पीछे सरकार का तर्क- सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है। सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है। फ्रांस की कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड ने बारबू के विरोध पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, 'अगर यह कानून विरोध या राजनीतिक कारणों से पास नहीं होता, तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रहे किसान और ज्यादा संकट में आ जाते।

अब होर्मुज में हमला मत करना-ऐसा किया तो ईरान में पुल और बिजली घरों को उड़ा देंगे, तेहरान तक अटैक करेंगे- डॉनल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर ईरान को बमबारी की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में एक भी जहाज पर हमला हुआ तो ईरान में पुल और बिजली घरों को उड़ा देंगे। इसमें तेहरान की राजधानी के अंदर या उसके पास मौजूद पुल और बिजलीघर भी शामिल होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा-'अब से अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य हथियार से हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के एक पुल या बिजलीघर को बम से उड़ा देगा।' वहीं, अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान के पांच शहरों

में एक साथ एयर और मिसाइल स्ट्राइक की। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक चाबहार, कोनारक, तबरीज, बेहबहान और ओमीदियेह को निशाना बनाया गया। सीजफायर टूटने के बाद अमेरिका ने लगातार 11वीं रात यह हमला किया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. भारत-चीन के टैंकरों ने रास्ता बदलाः सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर भारत और चीन जा रहे दो टैंकर हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद रेड सी में यू-टर्न लेकर स्वेज नहर की ओर लौट गए। 2. अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायलः पेंटागन ने स्वीकार किया कि 7 जुलाई के बाद ईरानी हमलों में करीब 100 अमेरिकी सैनिक घायल हुए। इनमें से 96फीसदी सैनिक इलाज के बाद ड्यूटी पर लौट चुके हैं। 3. कतर ने ईरान से मुआवजा मांगाः कतर ने संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद को पत्र भेजकर ईरान को हालिया हमलों और उनसे हुए सभी नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया और पूरा मुआवजा देने की मांग की। 4. ट्रम्प ने माना- जॉर्डन में एक ईरानी हमला सफल रहाः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने माना कि जॉर्डन में ईरान का एक हमला सफल रहा। हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत भी हुई थी। 5. ईरानी गृह मंत्री पाकिस्तान पहुंचेः ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी पाकिस्तान पहुंचे और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी बातचीत की।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन जल्द दे सकते हैं इस्तीफा, शेख हसीना से बातचीत की करि थी कोशिश

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन अपने पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति से करीब दो साल पहले ही

इस्तीफा दे सकते हैं। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है। मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। उस आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद शहाबुद्दीन ही अवामी लीग सरकार के दौर के एकमात्र संवैधानिक पदाधिकारी हैं, जो अब तक अपने पद पर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में उनके इस्तीफे की चर्चा और तेज हो गई है। बांग्लादेश के कई मीडिया संस्थानों ने खबर दी है कि मौजूदा सरकार अब राष्ट्रपति के पद पर शहाबुद्दीन के बने रहने से सहज नहीं है। अखबार प्रोथोम आलो ने सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि सरकार इस बात से नाराज है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में शेख हसीना से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की थी। वहीं द डेली स्टार ने बीएनपी के एक सीनियर नेता के हवाले से लिखा कि शहाबुद्दीन और शेख हसीना के बीच कथित फोन पर हुई बातचीत ही इस्तीफे की एकमात्र वजह नहीं है। नेता के अनुसार, शेख हसीना द्वारा दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद देश का राजनीतिक माहौल और ज्यादा संवेदनशील हो गया है।

ईरान का मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमला,दावा- जॉर्डन में थाड डिफेंस सिस्टम तबाह

कुवैत में ड्रोन ठिकाने को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने गुरुवार को जॉर्डन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल जवाबी हमले किए। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि जॉर्डन में तैनात अमेरिकी थाड (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा कुवैत में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के ऑपरेशन बेस पर भी हमला किया गया। इससे पहले अमेरिका ने बुधवार को लगातार 12वीं रात ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ट्रम्प की ईरान में बमबारी की धमकीः ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के पुलों और बिजली घरों पर बमबारी करेगा। इनमें तेहरान के अंदर मौजूद ठिकाने भी शामिल होंगे। हूती विद्रोहियों की धमकी- सऊदी पोर्ट से दूर रहें जहाजः यमन के ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों ने शिपिंग कंपनियों को सऊदी अरब के बंदरगाहों से दूर रहने की धमकी दी है। उन्होंने कहा अगर नहीं माना तो हमला होगा। जंग में अब तक 18 अमेरिकी सैनिकों की मौतः अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, मौजूदा संघर्ष में अब तक 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिका ने जंग में रु3.6 लाख करोड़ खर्च किएः अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि ईरान के साथ युद्ध पर अब तक 37.5 अरब डॉलर (करीब रु3.6 लाख करोड़) खर्च हो चुके हैं। कच्चा तेल 92 डॉलर के पारः अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमत 92.01 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जबकि डब्लूटीआई क्रूड 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। ईरान के ड्रोन हमलों में भूमिका पर रूस ने जवाब देने से इनकार किया-रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने गुरुवार को उस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं कि क्या फारस की खाड़ी में सीआईए ठिकानों पर हुए ईरानी ड्रोन हमलों में रूस ने कोई मदद की थी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया से जुड़े चार लोगों ने बताया कि जांच कर रहे- अधिकारियों को अब तक रूस की भूमिका को लेकर कोई पक्का सबूत नहीं मिला है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि हमलों की सटीकता और प्रभाव, साथ ही ईरान को रूस की तकनीकी मदद, रूस की भूमिका के संकेत हैं जिनकी जांच की जा रही है।

नोएडा इंडोर स्टेडियम टेंडर घोटाले की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों पर दर्ज हो एफआईआरःअविनाश सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नोएडा। युवा क्रांति सेना के

राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश सिंह ने वर्ष 2021 में नोएडा इंडोर स्टेडियम के संचालन से जुड़े टेंडर में कथित फर्जी दस्तावेज, भ्रामक जानकारी एवं अनियमितताओं के गंभीर आरोपों को लेकर आज मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण को विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। अविनाश सिंह ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में सामने आए तथ्यों ने पूरे खेल जगत को झकझोर दिया है। यदि सिक्योरिटी सल्यूशन कंपनी ने फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र, गलत कोच प्रोफाइल तथा भ्रामक दस्तावेजों के आधार पर अधिक तकनीकी अंक प्राप्त कर टेंडर हासिल किया है, तो यह केवल एक प्रशासनिक अनियमितता नहीं बल्कि सरकारी व्यवस्था, निष्पक्ष प्रतियोगिता और खिलाड़ियों के भविष्य के साथ गंभीर धोखा है। उन्होंने कहा कि रिपोर्टों के अनुसार कंपनी द्वारा कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और कोचों के नाम एवं प्रोफाइल का उपयोग कर तकनीकी मूल्यांकन में अनुचित लाभ लेने का प्रयास किया गया। यदि संबंधित खिलाड़ियों की जानकारी, सहमति अथवा वास्तविक संबद्धता के बिना उनके नाम और उपलब्धियों का इस्तेमाल किया गया है, तो यह उनकी प्रतिष्ठा के साथ भी गंभीर खिलवाड़ है। ऐसे मामले में केवल कंपनी ही नहीं, बल्कि पूरी टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्षता कटघरे में खड़ी होती है। अविनाश सिंह ने कहा कि यह भी अत्यंत गंभीर आरोप है कि इंडोर खेलों के संचालन के लिए आउटडोर खेलों से जुड़े कोचों की प्रोफाइल प्रस्तुत कर अतिरिक्त अंक प्राप्त किए गए। यदि यह सत्य है, तो तकनीकी मूल्यांकन की विश्वसनीयता पूरी तरह संदिग्ध हो जाती है और पूरे मूल्यांकन की पुनः जांच अनिवार्य है। उन्होंने यह भी मांग की कि जिन अधिकारियों की लापरवाही अथवा मिलीभगत सामने आए, उनके विरुद्ध भी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में नोएडा प्राधिकरण की सभी टेंडर प्रक्रियाओं में खिलाड़ियों, कोचों एवं विशेषज्ञों की प्रोफाइल, लिखित सहमति एवं वास्तविक संबद्धता का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य किया जाए।

Gem of आधुनिक समाचार 2026

नामः श्रीमती मणि मिश्रा - मणि आयुर्वेद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पताः जॉर्ज टाउन, प्रयागराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज। श्रीमती मणि मिश्रा आधारित औषधीय उत्पादों के निर्माण, प्रचार-प्रसार एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण तथा ग्राहकों के विश्वास ने उनके

आयुर्वेद एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में समर्पित, दूरदर्शी एवं प्रेरणादायी उद्यमी हैं। वर्तमान में वे मणि आयुर्वेद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, जहाँ वे भारतीय आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप समाज तक पहुँचाने तथा प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक सुलभ बनाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। उनके कुशल नेतृत्व में मणि आयुर्वेद प्राकृतिक आयुर्वेदिक औषधियों एवं विभिन्न जड़ी-बूटी उपलब्धता के माध्यम से लोगों को सुरक्षित, प्रभावी एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य समाधान प्रदान कर रहा है। वे आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इसके अतिरिक्त, वे पिछले चार वर्षों से श्री श्री तत्त्व मिश्रा औषधालय आयुर्वेदिक केंद्र का सफलतापूर्वक संचालन एवं प्रबंधन कर रही हैं। उनकी उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, नैतिक संस्थान को एक विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीमती मणि मिश्रा का उद्देश्य केवल आयुर्वेदिक औषधियाँ उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज को आयुर्वेद, प्राकृतिक उपचार, रोग-निवारण तथा स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना भी है। वे स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा, गुणवत्ता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर जनकल्याण के लिए कार्य कर रही हैं।

बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर नीट छात्रा से गैंगरेप,चित्रकूट घूमने आए थे-पहाड़ी पर तीन युवकों ने वनकर्मी बताकर धमकाया

चित्रकूट। यूपी के चित्रकूट में बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर नीट छात्रा से तीन युवकों ने गैंगरेप किया। पुलिस के मुताबिक, 20 साल की छात्रा 17 साल के बॉयफ्रेंड के साथ पहाड़ी पर बैठी थी, तभी आरोपी पहुंचे। खुद को वनकर्मी बताकर दोनों को धमकाया। बॉयफ्रेंड को बेल्ट से पीटा और उसके हाथ-पैर गमछे से बांध दिए। तीनों छात्रा को घसीटते हुए झाड़ियों में ले गए। दरिंदगी की। वारदात के बाद तीनों भाग गए। बॉयफ्रेंड ने खुद के हाथ-पैर खोले और छात्रा के पास पहुंचा। वह बदहवास थी। बॉयफ्रेंड ने ही फोन करके पुलिस को जानकारी दी। वारदात बुधवार दोपहर 3 बजे देवांगना घाटी जंगल की है। यहां की जिला मुख्यालय से दूरी 12 किमी है। छात्रा चित्रकूट से सटे मध्य प्रदेश के सतना की रहने वाली है। वह राजस्थान के कोटा में रहकर नीट की तैयारी करती है। उसका बॉयफ्रेंड चित्रकूट का ही रहने वाला है। 12वीं में पढ़ता है। छात्रा दोपहर में चित्रकूट घूमने आई थी। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। एक सीसीटीवी में तीनों आरोपी बाइक से जाते दिख रहे हैं। शक के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है।गुरुवार दोपहर 2 बजे एडीजी जोन ज्योति नारायण प्रयागराज से चित्रकूट पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अफसर से अब तक हुई जांच के बारे में पूछा। नाबालिग बॉयफ्रेंड को धमकाया, चिल्लाए तो पहाड़ी से फेंक देंगे-बॉयफ्रेंड ने पुलिस को बताया- 2 साल पहले सोशल मीडिया पर मेरी लड़की से दोस्ती हुई थी। कुछ दिन पहले लड़की छुट्?टी पर घर आई थी। मैंने उसे घूमने के लिए चित्रकूट बुलाया था। 22 जुलाई (बुधवार) की दोपहर वह चित्रकूट पहुंची। दोपहर 1 बजे बाइक से हम दोनों देवांगना घाटी पहुंचे। वहां पहाड़ी पर बैठकर रील बना रहे थे। दोपहर 3 बजे 3 लड़के बाइक से पहुंचे। उन्होंने अचानक बाइक रोक दी और हमसे पूछताछ करने लगे। मेरी गर्लफ्रेंड को बैडटच करने लगे। मैंने विरोध किया, तो मुझे बेल्ट से पीटा। एक लड़के ने मुझे पकड़ लिया। गमछे से हाथ-पैर बांध दिए। बाकी दोनों मेरी गर्लफ्रेंड को धमकाने लगे। कहने लगे कि शोर मचाया तो पहाड़ी से नीचे फेंक देंगे। फिर जबरन गर्लफ्रेंड को झाड़ियों में ले गए और उसके साथ दरिंदगी की। थोड़ी देर बाद मुझे बंधक बनाकर मेरे पास खड़ा लड़का भी झाड़ियों में चला गया। उसने भी मेरी गर्लफ्रेंड से रेप किया। गर्लफ्रेंड चिल्लाती रही। रहम की भीख मांग रही थी, लेकिन उन लड़कों ने उसे नहीं छोड़ा। मैं जमीन पर पड़ा उसकी चीखें सुन रहा था। गर्लफ्रेंड खुद को छुड़ाने के लिए छटपटा रही थी। इसके बाद किसी तरह मैंने अपने हाथ खोले। गर्लफ्रेंड के पास भागकर पहुंचा। तब तक तीनों लड़के भाग चुके थे। मैंने मोबाइल से डायल-112 पर कॉल किया। लेकिन, नेटवर्क नहीं होने से कॉल नहीं लगी। इसके बाद हम पहाड़ी से कुछ नीचे उतरे, तब मोबाइल में नेटवर्क आया। फिर से कॉल कर पुलिस बुलाई। शाम 4.45 बजे पुलिस पहुंची और हम दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि दोनों के पिता प्राइवेट जॉब करते हैं। दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा-थाना प्रभारी विवेक सिंह ने बताया- देवांगना घाटी में दुष्कर्म की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई। लड़के को प्राइमरी इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। छात्रा का मेडिकल कराया गया है। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया-'छात्रा ने पुलिस को दिए अपने बयान में गैंगरेप की बात कही है। बॉयफ्रेंड नाबालिग है। इसलिए उसका भी मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। शिकायत के आधार पर इंदर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश के लिए मौके के आसपास सीसीटीवी और राहगीरों की मदद ली जा रही है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (दशमोत्तर) छात्रवृत्ति 2026-27 हेतु ऑनलाइन आवेदन की समय-सारिणी जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रायबरेली पीयूष चन्द्र राय ने बताया कि निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा शासन से निर्गत वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समय-सारिणी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षण संस्थानों के लिए छात्रवृत्ति मास्टर डाटा बेस में सम्मिलित होने की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा शिक्षण संस्थानों की फीस आदि का सत्यापन कर डिजिटल लॉक किए जाने की अंतिम तिथि 30 अगस्त 2026 है। इसी प्रकार अन्य दशमोत्तर कक्षाओं के छात्रों द्वारा ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2026 तथा शिक्षण संस्थानों द्वारा आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया है कि शिक्षण संस्थानों का मास्टर डाटा सभी स्तरों से सत्यापित एवं लॉक होने के उपरांत ही संस्थान अपने यहां अध्ययनरत एवं आवेदन करने वाले छात्रों के आवेदन ऑनलाइन अग्रसारित कर सकेंगे। उन्होंने सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों एवं अधिकारियों से अपील की है कि निर्धारित समय-सारिणी का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए सभी प्रक्रियात्मक कार्य समय से पूर्ण कराएं, ताकि जनपद का कोई भी पात्र अन्य पिछड़ा वर्ग का छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति आवेदन से वंचित न रह जाए।

छात्रवृत्ति आवेदन हेतु समय सारिणी जारी,25 अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रायबरेली पीयूष चन्द्र राय ने बताया कि निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) में अध्ययनरत समस्त वर्गों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु समय सारिणी जारी की गई है। जारी समय सारिणी के अनुसार शिक्षण संस्थानों द्वारा छात्रवृत्ति मास्टर डाटा बेस में सम्मिलित होने की अंतिम तिथि 05 अगस्त, 2026 निर्धारित की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शिक्षण संस्थानों की फीस आदि का सत्यापन कर डिजिटल लॉक करने की अंतिम तिथि 09 अगस्त, 2026 है। पूर्वदशम एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त, 2026 निर्धारित की गई है, जबकि शिक्षण संस्थानों द्वारा आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण 30 अगस्त, 2026 तक किया जाएगा।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिक्षण संस्थानों का मास्टर डाटा सभी स्तरों से सत्यापित एवं लॉक होने के उपरांत ही संस्थान अपने यहां अध्ययनरत एवं आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन अग्रसारित कर सकेंगे। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि निर्धारित समय सारिणी का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए सभी प्रक्रियात्मक कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराएं, ताकि जनपद का कोई भी पात्र अन्य पिछड़ा वर्ग का छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति आवेदन से वंचित न रह जाए।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी, हलवाई, कुम्हार एवं बढ़ई ट्रेड के आवेदकों का साक्षात्कार 28 एवं 29 जुलाई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में संचालित विभिन्न रोजगार योजनाओं के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग के लक्ष्यों को निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभिन्न ट्रेडों के अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किया जाना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत दर्जी, हलवाई, कुम्हार एवं बढ़ई ट्रेड के सभी ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। दर्जी ट्रेड के सभी आवेदकों का साक्षात्कार 28 जुलाई 2026 को तथा हलवाई, कुम्हार एवं बढ़ई ट्रेड के सभी आवेदकों का साक्षात्कार 29 जुलाई 2026 को आयोजित होगा। उन्होंने सभी संबंधित आवेदकों से अपील की है कि वे अपने मूल प्रमाण-पत्रों सहित निर्धारित तिथि पर समय 11:00 बजे से कार्यालय-उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र रायबरेली में उपस्थित होकर साक्षात्कार में प्रतिभाग करें।

डीएम की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीएम डैशबोर्ड में बेहतर प्रदर्शन को लेकर विभागवार समीक्षा कर समयबद्ध प्रगति एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यों के दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम

डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद का प्रदर्शन सीएम डैशबोर्ड पर और बेहतर हो सके।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड केवल आंकड़ों का माध्यम नहीं, बल्कि विभागों के कार्यों की वास्तविक प्रगति और जवाबदेही का प्रतिबिंब है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विभाग अपने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करे तथा पोर्टल पर अद्यतन एवं शुद्ध सूचनाएं समय से अपलोड की जाएं। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग अपेक्षाकृत कम है, वे विशेष कार्ययोजना बनाकर सुधारात्मक कार्रवाई करें। सभी अधिकारी नियमित रूप से अपने विभागीय सूचकांकों की समीक्षा करें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही बनाए रखते हुए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की सतत निगरानी करने, फील्ड स्तर पर प्रगति का सत्यापन करने तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, उप निदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी आर.वी. सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सुधीर गिरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में निराश्रित गोवंश संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न,आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा कर दिए गए प्रभावी संचालन के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय निराश्रित गोवंश संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित समस्त स्थायी एवं अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों, वृहद गोसंरक्षण केंद्रों, कान्हा उपवन तथा गोवंश संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं सहभागिता कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी गोवंश आश्रय स्थलों पर निराश्रित गोवंशों के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल, छायादार व्यवस्था, नियमित उपचार तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जनपद की सभी गौशालाओं एवं गोवंश आश्रय स्थलों पर व्यापक एवं प्रभावी प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में गोवंशों को जलभराव, नमी एवं संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए शेड की समुचित व्यवस्था, जल निकासी, स्वच्छ एवं सूखा बिछावन, नियमित साफ-सफाई, कीटाणुनाशक छिड़काव तथा पशु चिकित्सकीय सेवाएं सतत उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं का समय-समय पर सत्यापन कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गोवंशों के स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि बीमार अथवा घायल गोवंशों का तत्काल उपचार कराया जाए। बैठक में वृहद गोसंरक्षण केंद्रों एवं कान्हा उपवनों के संचालन, उनकी क्षमता, गोवंशों की संख्या, रख-रखाव तथा सहभागिता आधारित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप द्विवेदी, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने राजकीय पुस्तकालय का किया निरीक्षण,प्रतियोगी छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुस्तकालय में पुस्तकों के रखरखाव, स्वच्छता, अध्ययन कक्ष, पेयजल, शौचालय एवं इंटरनेट सुविधा सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को पुस्तकालय को अधिक उपयोगी एवं छात्र हितैषी बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजकीय पुस्तकालय ज्ञान और अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां आने वाले छात्र-छात्राओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों का सुव्यवस्थित रखरखाव किया जाए तथा समय-समय पर उनकी सूची का अद्यतन किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी

ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए नवीनतम पाठ्य सामग्री, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित नई पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों तथा राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अद्यतन अध्ययन सामग्री उपलब्ध होने से उनकी तैयारी अधिक प्रभावी होगी।उन्होंने पुस्तकालय में छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था को और बेहतर एवं सुविधाजनक बनाने, स्वच्छ एवं उपयोगी शौचालय, शुद्ध पेयजल तथा निर्बाध इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही पुस्तकालय परिसर की नियमित साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं शांत अध्ययन वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि पुस्तकालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए इसे विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक आदर्श अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

रबी 2026-27 के प्रमाणित एवं निःशुल्क मिनिकिट बीजों की ऑनलाइन बुकिंग शुरू, लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी से होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पाण्डेय ने बताया है कि

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज समय से उपलब्ध कराने तथा चयन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से रबी 2026-27 के लिए प्रमाणित एवं निःशुल्क मिनिकिट बीजों की ऑनलाइन बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। इस वर्ष निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में लाभार्थी किसानों का चयन ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। जनपद के किसान गेहूँ, जौ, चना, मसूर, मटर, सरसों, अलसी, तोरिया सहित विभिन्न रबी फसलों के प्रमाणित बीजों एवं निःशुल्क मिनिकिट बीजों की बुकिंग करा सकते हैं। किसान स्वयं विभागीय पोर्टल agriculture.up.gov.in पर अथवा अपने विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार, कृषि विभाग के कार्मिक या जन सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। बुकिंग एवं ई-लॉटरी कार्यक्रम इस प्रकार है-तोरियाः बुकिंग 02 जुलाई से 16 अगस्त 2026, ई-लॉटरी 17 अगस्त 2026, दलहनी एवं तिलहनी फसलेंः बुकिंग 10 जुलाई से 10 सितम्बर 2026, ई-लॉटरी 11 सितम्बर 2026, गेहूँ एवं जौः बुकिंग 10 जुलाई से 30 सितम्बर 2026 ई-लॉटरी 01 अक्टूबर 2026, किसानों से अपील की जाती है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करें तथा समय रहते अपनी बीज बुकिंग अवश्य करा लें, ताकि चयनित होने पर समय से प्रमाणित एवं निःशुल्क मिनिकिट बीज प्राप्त कर अधिक उत्पादन एवं बेहतर आय सुनिश्चित की जा सके। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार, संबंधित एडीओ (कृषि), जिला कृषि अधिकारी कार्यालय अथवा उप कृषि निदेशक कार्यालय, रायबरेली से संपर्क कर सकते हैं।

जिला सैनिक बन्धु समिति की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार की अध्यक्षता में 'जिला

सैनिक बन्धु समिति' की बैठक बुधवार को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। सभी उपस्थित सदस्यों का जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली (विंग कमाण्डर) अखिलेश पाण्डेय (अ0प्रा0) द्वारा स्वागत किया गया तथा पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर विचार-विमर्श कर उनके शीघ्र निस्तारण हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया। बैठक में जनपद के सी0ओ0 सिटी, प्रतिनिधि अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद, व सैनिक बन्धु समिति के सदस्य एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

श्री जगन्नाथ जी का पवित्र आगमन एवं भागवत/जगन्नाथ कथा, कथा में आज भगवान श्रीकृष्ण एवं रूक्मिणी का विवाह धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महाप्रभु जगन्नाथ की प्रतिमा/अद्भुत आगमन श्री स्वर्ण कथा आचार्य अजय किरण जी द्वारा आयोजित की जा रही है। आज सातवां दिन है। आज प्रभु शर्मा पूरी व्यवस्था देख रहे हैं। प्रतिदिन लगभग 300-400 भक्त उपस्थित होते हैं और कथा का

क्षेत्र रॉयल गार्डन एस्टेट, नोएडा से 16 जुलाई 2026 को आकर मौसी-माँ के घर कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-61, नोएडा में 24 जुलाई 2026 तक आयोजित रहेंगी। 16 जुलाई से 23 जुलाई तक प्रतिदिन सांय 4:00 बजे से 7:00 बजे तक भागवत कथा एवं जगन्नाथ श्रीकृष्णा और रुक्मिणी की शादी की कथा आचार्य अजय किरण जी की द्वारा हो रहा है । सादी की झाँकिआ निकलेगये। आयोजन में प्रतिदिन जजमान व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष डॉ. मनोरंजन मोहान्ति एवं सचिव सुश्री नीरू आनंद लेते हैं। सभी भक्तों का हार्दिक स्वागत है। बुधवार को श्रीमति विमला बाथम, पुर्बतन बिधायक गौतम बुद्ध नगर , शुभकामनायें सत्येंद्र जैन, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने आके प्रभु जगन्नाथ की आसीर्बाद प्राप्त किया।

जंतर-मंतर पर छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र की हत्या है - रवि राघव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बुधवार को भारतीय

किसान यूनियन भूमि पुत्र के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रवि राघव ने जंतर मंतर पर अपने भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठा रहे छात्रों पर सरकार द्वारा किए गए व्यवहार की निंदा की है किसान नेता ने कहा है छात्रों, नौजवानों के साथ बर्बरता पूर्वक व्यवहार किया गया है एक आजाद और लोकतांत्रिक देश में छात्रों के साथ सरकार इस तरह करेगी , इसकी कल्पना भी नहीं का जा सकता। छात्रों के सिर पर चोटें हैं, टांके लगे हैं हाथ पैरों की हड्डियां टूट गई हैं छात्रों, नौजवानों को बुरी तरह मारा पीटा गया है लोकतांत्रिक देश में इसे कभी भी स्वीकार नहीं किया जा सकता नीट पेपर लीक और हेरा फेरी के मामले में सरकार जिम्मेदार है सरकार को दोषियों पर उचित कार्रवाई करनी चाहिए

नगर पालिका निगम कटनी परिषद के निर्णय से जातिगत नामों से पहचानी जाने वाली बस्तियों का हुआ नामकरण अब महान संतों के नाम से होंगी पहचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कटनी। नगर पालिक निगम नामकरण भारत के महान संतों के नाम पर किए जाने की स्वीकृति

कटनी की निगम परिषद द्वारा समाज में समरसता, समानता एवं सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए जातिगत नामों से जानी एवं पहचानी जाने वाली बस्तियों का प्रदान की गई। निगम परिषद की बैठक दिनांक 15 अप्रैल 2026 में पारित प्रस्ताव के अनुसार रामनिवास सिंह वार्ड की सफाई मित्रों की बस्ती का नाम 'महर्षि वाल्मीकि नगर' वीर सावरकर वार्ड क्रमांक 12 की अनुसूचित वर्ग बस्ती का नाम 'संत रविदास नगर' तथा महात्मा गांधी वार्ड की हरिजन बस्ती का नाम 'महर्षि सुदर्शन नगर' रखा गया है। यह निर्णय केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, सम्मान और समरसता का प्रतीक है। भारत के महान संतों ने अपने जीवन से समानता, मानवता और सेवा का संदेश दिया है। उनके नाम पर इन बस्तियों की पहचान होना प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय है तथा आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी। नगर निगम कटनी सामाजिक सौहार्द, समान अवसर और सभी वर्गों के सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। परिषद का यह निर्णय सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करेगा तथा समाज को जातिगत पहचान से ऊपर उठकर महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ने का कार्य करेगा। नगर निगम द्वारा संबंधित बस्तियों में नवीन नामों की नामपट्टिकाएं स्थापित किए जाने एवं अभिलेखों में आवश्यक संशोधन की कार्यवाही भी प्रारंभ कर दी गई है।

नोएडा पुलिस के द्वारा व्यापारी विपिन अग्रवाल का जबरदस्ती उत्पीड़न, पुलिस प्रशासन ने किया हाऊस अरेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दमनकारी बीजेपी निवेदन किया कि एक बार आकर मेरे से मिल लो मिलने के बाद

सरकार पुलिस के साथ मिलकर बहुत बड़ा षड्यंत्र रच रही है मैं विपिन अग्रवाल सन ऑफ महेश चंद अग्रवाल सी 27 सेक्टर 56 का निवासी हूं रात दिनांक 21.7.26 को 8:30 बजे मेरे घर पर चार पुलिस वाले आए और मेरे को हाउस अरेस्ट कर लिया उसके बाद सारी रात मेरे को नींद नहीं आई और तनाव में मैं सो नहीं पाया और सुबह उठा तो मालूम पड़ा कि उनकी ड्यूटी चेंज होगी और दूसरे पुलिस वाले मेरे पास आकर बैठ गए और उन्होंने कहा की आप घर से बाहर नहीं जा सकते इसके बाद मैंने सेक्टर 58 के थाना इंचार्ज अमित तोमर से बात करी और उनसे आपको आभास हो जाएगा कि मैं किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हूं 6 बज चुके हैं अभी तक इंस्पेक्टर साहब मिलने नहीं आए और नहीं फोन उठा रहे हैं। आज मेरे पोते मानित अग्रवाल का छठ जन्मदिन है जन्मदिन के उपलक्ष में मैंने पहले से गार्डन गैलरिया मैं आज 4:00 से एक पार्टी हॉल बुक करा हुआ है सारे रिश्तेदार वहां पर आएंगे और मेरे को घर पर पुलिस ने अरेस्ट कर रखा है बिना किसी जुल्म के यह बीजेपी सरकार निराधारी लोगों को परेशान कर रही है और विपक्ष को खत्म करने की प्लानिंग बना चुकी है

जी बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की ज़ी न्यूज़ के 'आइडियाज़ ऑन एजुकेशन' में सहभागिता सीईओ कार्तिकेय अग्रवाल ने डिग्री और स्किल के बीच बढ़ती खाई पर रखे विचार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जी एल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस मथुरा ने एक राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रणालियों के व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी पहले दिन से ही उद्योग के लिए

उपस्थिति दर्ज कराई, जब संस्थान के सीईओ कार्तिकेय अग्रवाल ने ज़ी न्यूज़ के 'आइडियाज़ ऑन एजुकेशन' शिखर सम्मेलन में एक विशिष्ट पैनल चर्चा में भाग लिया। चर्चा का विषय था 'डिग्री पूरी, स्किल अधूरी' – यह संवाद इस बात पर केंद्रित था कि आज केवल शैक्षणिक डिग्री रोजगार की गारंटी क्यों नहीं देती। शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ मंच साझा करते हुए अग्रवाल ने कहा कि संस्थागत रैंकिंग स्वयं में कोई लक्ष्य नहीं, बल्कि सही नींव का स्वाभाविक परिणाम है। जब शैक्षणिक कठोरता, अनुसंधान उन्मुखता और उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम संस्कृति एक साथ आती हैं, तो पहचान और सम्मान स्वतः ही मिलते हैं – यह किसी सीधे लक्ष्य की तरह पीछा करने की चीज़ नहीं है। उन्होंने आगे व्यावहारिक और अनुभव-आधारित शिक्षा (हैंड्स-ऑन लर्निंग) के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि कक्षा में पढ़ाए जाने वाले सिद्धांतों को वास्तविक उपकरणों और तैयार हों। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल ने जी एल बजाज की सिस्को, पालो ऑल्टो नेटवर्क्स, कैपजेमिनी और एडब्ल्यूएस जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारियों का उल्लेख किया। ये साझेदारियां विद्यार्थियों को उद्योग-स्तरीय प्रशिक्षण, प्रमाणपत्रों और बाजार की वर्तमान मांगों के अनुरूप तैयार पाठ्यक्रम तक सीधी पहुंच प्रदान करती हैं। इस पैनल चर्चा के दौरान एक विशेष क्षण भी देखने को मिला, जब दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने श्री कार्तिकेय अग्रवाल को शिक्षा क्षेत्र में जी एल बजाज के योगदान के लिए सम्मानित किया। इस मंच पर जी एल बजाज की सहभागिता संस्थान की उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच की खाई को पाटने की दिशा में कार्यरत है, और भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों को गढ़ने वाले संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को पुनः पुष्ट करती है।

महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में सेक्टर-91 में सम्पन्न हुआ भव्य बूथ अध्यक्ष सम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी संवाद बनाए रखना चाहिए और केंद्र व प्रदेश सरकार की

नोएडा महानगर द्वारा आज महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में पंचशील बालक इंटर कॉलेज, सेक्टर-91 में नोएडा महानगर के सभी बूथ अध्यक्षों का भव्य बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ सशक्तिकरण तथा संगठन की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व महापौर गाजियाबाद आशु वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा उपस्थित रहे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्षों, मंडल पदाधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि आशु वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का वास्तविक सामर्थ्य उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि बूथ समिति भाजपा की रीढ़ है। बूथ जीता तो चुनाव जीता। प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अपने बूथ पर सक्रिय रहकर मतदाताओं से सतत जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा वर्षभर निर्धारित कार्यक्रमों को प्रत्येक बूथ पर पूरी सक्रियता के साथ मनाया जाए। 11 फरवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि (समर्पण दिवस), 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस, 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती, 25 दिसंबर को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती (सुशासन दिवस) उन्होंने कार्यकर्ताओं एवं सभी बूथ अध्यक्षों अपने अपने बूथ पर इन सभी कार्यक्रमों का सफल आयोजन प्रत्येक बूथ पर सुनिश्चित करने का आग्रह किया।पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन इसलिए बनी है क्योंकि उसका संगठन बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय है। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष केवल एक पदाधिकारी नहीं बल्कि संगठन का सबसे महत्वपूर्ण प्रतिनिधि होता है। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक बूथ पर नए मतदाताओं से संपर्क बढ़ाएं, लाभार्थियों से संवाद स्थापित करें तथा केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि अनुशासन, सेवा और संगठन की भावना ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है तथा इसी के बल पर भाजपा लगातार जनता का विश्वास जीत रही है। सम्मेलन के समापन अवसर पर महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने सभी बूथ अध्यक्षों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नोएडा

महानगर का प्रत्येक बूथ भाजपा का सबसे मजबूत संगठनात्मक केंद्र बने, यही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना होगा। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों को निर्देशित किया कि संगठन द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों का समयबद्ध एवं प्रभावी आयोजन प्रत्येक बूथ पर सुनिश्चित करें तथा उसकी विस्तृत जानकारी एवं फोटो संगठन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नोएडा महानगर का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ। पूर्व विधायक विमला बाथम, योगेंद्र चौधरी, राकेश शर्मा, अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, संजय बाली कार्यक्रम संयोजक ओमवीर अवाना, डिम्पल आनंद, पंकज झां, अमित नागपाल, रामनिवास यादव, विपुल शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौहान, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, शशिधर उपाध्याय दीनबंधु कुमार सतनारायण महावर, नीरज चौधरी, रामकिशन यादव सहित कार्यक्रम में शक्तिकेंद्र संयोजक एवं नोयडा के सभी बूथ अध्यक्ष वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

ग्रेटर नोएडा में चौथा गैस इंडिया एक्सपो 2026 का शुभारंभ,गैस एवं स्वच्छ ऊर्जा उद्योग के प्रमुख हितधारक एक मंच पर आए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। प्राकृतिक गैस, एलएनजी हाइड्रोजन, औद्योगिक गैसों, गैस प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध उद्योगों पर आधारित भारत की अग्रणी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी 4th गैस इंडिया एक्सपो 2026 का आज इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में भव्य शुभारंभ हुआ। 23 से 25 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाला यह तीन दिवसीय आयोजन गैस एवं स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के लिए देश के प्रमुख व्यावसायिक मंचों में से एक बन चुका है। इस वर्ष के आयोजन में 100 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं तथा भारत एवं विदेशों से 5,000 से अधिक व्यावसायिक आगंतुकों के आने की संभावना है। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री प्रवीर कुमार अग्रवाल, चेयरमैन, सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. स्वदेश कुमार, सीईओ, इंडियन एग्जीबिशन सर्विसेज (IES), श्री एन. के. सहगल, सीनियर एडवाइज़र, सहित अनेक गणमान्य अतिथि, उद्योग विशेषज्ञ, प्रदर्शक, प्रतिनिधि एवं व्यावसायिक आगंतुक उपस्थित रहे। उद्घाटन दिवस का प्रमुख आकर्षण 4th वर्ल्ड गैस समिट 2026 रहा, जिसका आयोजन इंडियन एग्जीबिशन सर्विसेज (IES) द्वारा इंटरनेशनल

कन्फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (ICTI) के सहयोग से 'Gas Systems: Efficiency, Safety & Sustainability' विषय पर किया गया। सम्मेलन में गैस अवसंरचना, हाइड्रोजन, स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, नवाचार एवं सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. आलोक शर्मा (हाइड्रोजन एसोसिएशन ऑफ इंडिया), श्री मोहित भाटिया (इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड), डॉ. उमेश श्रीवास्तव (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड), लेफ्टिनेंट कर्नल मोनिश आहूजा (पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स प्रा. लि.), श्री सी. प्रभाकर चक्रवर्ती (चक्रवर्ती गैस डिस्ट्रीब्यूशन सर्विसेज प्रा. लि.), श्री सतीश सिंह (एम्बेटॉनिक्स इंजीनियर्स प्रा. लि.), श्री प्रकाश रॉय (ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया – TCI ग्रुप) तथा डॉ. राजीव मिश्रा (IFEVA ग्रीन एनर्जी फाउंडेशन) शामिल रहे। वक्ताओं ने भारत के गैस एवं स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य, नवाचार और विकास की संभावनाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में CNG, PNG, LNG, हाइड्रोजन, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोगैस, बायो-सीएनजी, CGD, औद्योगिक गैसें, क्रायोजेनिक टेक्नोलॉजी, गैस उपकरण, स्टोरेज एवं ट्रांसपोर्टेशन, सुरक्षा प्रणालियाँ तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों की नवीनतम तकनीकों, उत्पादों एवं समाधानों का प्रदर्शन किया जा रहा है। यह आयोजन उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों को व्यावसायिक नेटवर्किंग, तकनीकी आदान-प्रदान, निवेश के अवसर, रणनीतिक साझेदारी एवं ज्ञान साझा करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है। इस आयोजन का संचालन इंडियन एग्जीबिशन सर्विसेज (IES) एवं इंडियन ट्रेड फेयर अकादमी (ITFA) द्वारा किया जा रहा है तथा इसे भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) का सहयोग प्राप्त है। आयोजन के गोल्ड पार्टनर हैं गेल (इंडिया) लिमिटेड एवं निलॉन वाल्व्स प्रा. लि., जबकि व्हीकल पार्टनर के रूप में विभु सहयोग कर रहा है। साथ ही इंडियन बायोगैस एसोसिएशन (IBA), एसोसिएशन ऑफ वेल्डिंग प्रोडक्ट्स मैन्युफैक्चरर्स (AWPM), ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज़ (AIAI) सहित अनेक प्रमुख औद्योगिक संस्थाओं एवं संगठनों का भी सहयोग प्राप्त है। यह प्रदर्शनी 25 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी, जहाँ देश-विदेश से आए निर्माता, तकनीकी प्रदाता, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियाँ, EPC कॉन्ट्रैक्टर्स, नीति-निर्माता, सलाहकार, निवेशक एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि नवीनतम तकनीकों का अवलोकन करेंगे, नए व्यावसायिक संबंध स्थापित करेंगे तथा भारत के गैस एवं स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देने वाले अवसरों का लाभ उठाएंगे।

रायबरेली के आईटीआई संस्थानों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 4 अगस्त तक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि अधिशासी निदेशक राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, अलीगंज, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद के 05 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, 02 पी.पी.पी. संस्थानों तथा 13 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 04 अगस्त 2026 रात्रि 12:00 बजे तक निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी https://scvt.up.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये तथा सभी वर्गों की महिला अभ्यर्थियों के लिए 100 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में नोडल प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोरा बाजार, रायबरेली से संपर्क कर सकते हैं।

आईएमएस नोएडा में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा में बीबीए, बीसीए, जनसंचार, बीएच एलएलबी, बीकॉम एलएलबी एवं एलएलबी के

दूसरे, तीसरे, चौथे एवं पांचवें वर्ष के छात्रों की कक्षाएं शुरू की गयी। कार्यक्रम के दौरान बतौर वक्ता सिंगारी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी एवं आईएमएस नोएडा के एलुमनाई डॉ. योगेन्द्र सिंह, अधिवक्ता मोनिका गोयल एवं स्कूल ऑफ आईटी के एलुमनाई राघव कश्यप ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के सलाहकार प्रोफेसर डॉ. जेके शर्मा, डीन सीआरसी एवं मैनेजमेंट प्रोफेसर डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी के साथ संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिती दर्ज करायी। प्रोफेसर डॉ. जेके शर्मा ने कहा कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए केवल नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और व्यावसायिक दक्षता को विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। डीन सीआरसी एवं मैनेजमेंट प्रोफेसर डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि आईएमएस नोएडा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। ऐसे संवादात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों को अनुभवी उद्योग विशेषज्ञों और पूर्व छात्रों से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने करियर लक्ष्यों के प्रति अधिक स्पष्ट एवं प्रेरित होते हैं। हमें विश्वास है कि यह नया शैक्षणिक सत्र विद्यार्थियों के लिए सीखने, नवाचार और उत्कृष्ट उपलब्धियों का वर्ष सिद्ध होगा। डॉ. योगेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीक, बाजार और व्यावसायिक मॉडल समय के साथ बदलते रहते हैं, लेकिन ईमानदारी, नेतृत्व क्षमता, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति, ग्राहक-केंद्रित सोच और मजबूत मानवीय संबंध आज भी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। वहीं अधिवक्ता मोनिका गोयल ने विद्यार्थियों को विधि व्यवसाय, विशेष रूप से लिटिगेशन के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, चुनौतियों तथा सफल करियर निर्माण के लिए आवश्यक कौशलों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान काइंडवेल सॉल्यूशंस के सीईओ एवं एमसीए के पूर्व छात्र राघव कश्यप ने विद्यार्थियों को फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईबीएम प्लानिंग एनालिटिक्स, पावर बीआई, माइक्रोसॉफ्ट फैब्रिक तथा मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों एवं उनके उद्योग में बढ़ते उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने और उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।

अन्नदाताओ का अनादर तत्काल बन्द हो- संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पेड़ हैं तो प्राण हैं के तहत किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का दल संदीप मिश्र के नेतृत्व में नगवा ब्लाक के गोटीबाध में अपने सभी परिवारि जनो में आम का सैकड़ो पेड़ बांटकर पेड़ लगाने व बचाने का संकल्प दिलाया वहाँ पर लगातार खलियारी साधन सहकारी समिति से अन्नदाताओ केफोन आने से मोर्चा का दल खलियारी सहकारी समिति पर पहुँच कर सभी परिवारि जनो किसान भाईयों का दुःख दर्द सुनकर मोर्चा संयोजक भड़क उठे उन्होंने खलियारी सहकारी समिति के किसान रमेश गुप्त ने सचिव पर ज्यादा पैसा लेकर लोगों को

से जनपद के जिलाधिकारी से आग्रह किया कि आप स्वयं सहकारी समितियों का निरिक्षण करिए व दोषी सचिवो का वेतन रोकने से काम नहीं चलने वाला जो दोषी पाए जाय उनको दण्डित करिए उन्हे ससपेण्ड करिए तब जाकर ये भ्रष्टाचारी सुधरेन्गे मोर्चा संयोजक ने कहा कि सभी किसान भाईयों को उनके रकबे के आधार पर प्रति बिघा एक बोरी डिएपी व युरिया दिया जाय वही खलियारी खाद देने की बात कही। परसुराम यादव ने कहा कि इतनी बड़ी दुर्वयवस्था किसानों के साथ किसी सरकार में नहीं थी यह सरकार पूरी तरह से हम किसानों का उत्पिडन कर रही है। आज के कार्यक्रम में प्रदीप जायसवाल सुनील मिश्र रमेश गुप्ता परशुराम यादव विनय सिंह दिनेश चेरो आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सजय बियार विजय चौहार व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

समाजवादी युवा संगठनों ने राष्ट्रपति को सौंपा मांगपत्र,सोनभद्र में शिक्षा प्रणाली और छात्र अधिकारों के हनन पर जताई चिंता

सोनभद्र। समाजवादी छात्र सभा, युवजन सभा, लोहिया वाहिनी और यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने छात्रों और युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर भारत की राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतियोगी एवं भर्ती परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाओं के निरस्त होने तथा छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों के कथित हनन पर गहरी चिंता व्यक्त की। ज्ञापन सौंपते हुए समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष पवन पटेल ने कहा कि जंतर मंतर पर जिस तरह से संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से हमारे देश के छात्र अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ रहे थे उसपे सरकार द्वारा करवाई किया जाना हम इसकी घोर निंदा करते हैं। शिक्षा मंत्री को जवाबदेही तय करते हुए

इस्तीफा दे देना चाहिए। महामहिम राष्ट्रपति महोदय से हमारी मांगे है कि सर्वप्रथम पेपर लीक के जो लगातार मामले वर्तमान सरकार में आ रहे हैं इसकी निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों को पोशाक कार्रवाई की जाए। साथ ही एक ऐसी कमेटी बनाई जाए जो जल्द से जल्द मामले का निस्तारण करें और उसकी जब दही से की जाए और साथ में जो छात्रों के प्रति बर्बरता किया जा रहा है सरकार छात्रों की आवाज को अनसुना कर रही है हम राष्ट्रपति से मांग करते हैं छात्रों की आवाज को सुनी जाए वह देश के मूल नागरिक हैं प्रोटेक्ट करना उनका संवैधानिक अधिकार है अधिकार को नष्ट न किया जाए। प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार हैं। नेताओं ने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो समाजवादी पार्टी जन आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस अवसर पर सुनील सिंह गौड़, अनिल प्रधान, प्रमोद यादव, कामरान, विनीत, सरोज और रामेश्वर सहित बड़ी संख्या में नौजवान कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

संचारी एवं दस्तक अभियान के तहत जनपद में युद्धस्तर पर चल रहा स्वच्छता व जनजागरूकता अभियान

उच्च जोखिम वाले गांवों में विशेष माइक्रोप्लान के अनुसार कराया जा रहा अभियान, लोगों को संक्रामक रोगों से बचाव के लिए किया जा रहा जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम एवं आमजन को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 01 जुलाई, 2026 से संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई, 2026 से दस्तक अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत गांवों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हीकरण एवं मरम्मत, नालियों की सफाई, फॉगिंग तथा बुखार, डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, क्षय एवं अन्य संक्रामक रोगों के संभावित मरीजों की पहचान का कार्य लगातार किया जा रहा है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशानुसार उच्च जोखिम वाले गांवों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय सहभागिता से ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव, स्वच्छता अपनाने तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यालयों में जागरूकता रैलियां, ग्राम सभाओं में बैठकें, प्रभात फेरियां, झाड़ियों की कटाई, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नालियों की सफाई, हैंडपंपों की मरम्मत, फॉगिंग तथा अन्य जनस्वास्थ्य गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। दस्तक अभियान के अंतर्गत बुखार से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उनकी जांच, टीबी के संभावित मरीजों का चिन्हीकरण, आईएलआई (खांसी, जुकाम) एवं डायरिया के लक्षण वाले रोगियों का सर्वे तथा कुपोषित बच्चों की पहचान कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि संचारी एवं दस्तक अभियान में सक्रिय सहयोग करें, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार के संक्रामक रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क कर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करें।

सोनभद्र में युवक की सांप के काटने से हुई मौत,सोते समय कान पर डसा

सोनभद्र। सोनभद्र में बरसात के मौसम में जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के शिवद्वार गांव में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसा सामने आया। खपरैल के घर में चौकी पर सो रहे 20 वर्षीय युवक के ऊपर अचानक जहरीला सांप गिर गया। सांप ने युवक के कान के पास डस लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चौकी पर सो रहा था युवक, अचानक बड़ेर से गिरा सांप- शिवद्वार गांव के सिगरा टोला निवासी सुनील पुत्र मास्टर पनिका गुरुवार शाम करीब पांच बजे अपने घर में आराम कर रहे थे। बताया गया कि वह खपरैल के मकान में चौकी पर सो रहे थे। इसी दौरान घर की बड़ेर से एक जहरीला सांप अचानक उनके ऊपर गिर गया। इससे पहले कि सुनील कुछ समझ पाते, सांप ने उनके कान के पास डस लिया और मौके से भाग गया। सांप के डसते ही सुनील की चीख निकल गई। आवाज सुनकर आसपास मौजूद परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि सुनील की हालत तेजी से खराब हो रही थी। परिजनों ने बिना देर किए एंबुलेंस की मदद से उन्हें घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। रास्ते में भी उनकी हालत गंभीर बनी रही।घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर गौरव कुमार सिंह ने युवक की जांच की। जांच के बाद उन्होंने सुनील को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में भी शोक का माहौल फैल गया।घटना की सूचना मिलने के बाद घोरावल पुलिस सीएचसी पहुंची और मामले की जानकारी ली।

घोरावल पुलिस का वारंटियों पर शिकंजा, सात फरार आरोपी गिरफ्तार,घरों पर दबिश देकर पुलिस ने पकड़ा

सोनभद्र। सोनभद्र में न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंटों के अनुपालन में घोरावल कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात फरार वारंटियों को पकड़ लिया गया। सात आरोपियों की हुई गिरफ्तारी- पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में बल्लू उर्फ अजय निवासी उरमौरा रॉबर्ट्सगंज,

को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को दोपहर से शाम तक चले अभियान में पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एसपी के निर्देश पर चलाया गया विशेष अभियान-पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देश पर जिले में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में घोरावल कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई की। अभियान का नेतृत्व क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार राय और प्रभारी निरीक्षक घोरावल बृजेश सिंह ने किया। पुलिस टीम ने दोपहर करीब एक बजे से शाम छह बजे तक अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। कई महीनों से न्यायालय की कार्रवाई से बच रहे थे आरोपी-प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी विभिन्न मुकदमों में वांछित थे और लंबे समय से फरार चल रहे थे। न्यायालय की ओर से इन आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे। पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी थी। गुरुवार को सूचना और दबिश के आधार पर सभी हाल पता जुड़ी जमगाई घोरावल, राजू और संजय पुत्रगण तनगू निवासी पनौली, अंगनू उर्फ रविंद्र कहार निवासी पड़वनिया, छोटे लाल कोल उर्फ झमझम निवासी पड़वनिया, रामजी निवासी बिसरेखी और अवधेश कुमार निवासी पनौली शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में मामले लंबित थे। पुलिस टीम ने घरों पर दी दबिश, पकड़े गए वारंटी-गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र यादव, उपनिरीक्षक शेष नारायण पांडेय, उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद यादव, मुख्य आरक्षी राजीव कुमार और आरक्षी इम्तियाज शामिल रहे। पुलिस टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सभी जरूरी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कीं। न्यायालय में पेशी के बाद भेजे गए जेल-घोरावल पुलिस ने गिरफ्तार सभी सातों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि न्यायालय से जारी वारंटों का शत-प्रतिशत पालन कराया जाएगा और फरार आरोपियों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

भारत का जूडो खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड के लिए का वादी था, सिंधु चीन ओपन का प्री-क्वार्टर फाइनल हारीं

स्पोर्ट्स डेस्क। कॉमनवेल्थ गेम्स शुरू होने से ठीक पहले जापान ओपन सुपर-750 जीतने वाली पीवी सिंधु का चीन ओपन

भारतीय जूडोका अरुण कुमार डोप टेस्ट में फेल हो गए हैं। वे सुपर-1000 का प्री-क्वार्टर फाइनल हार गई हैं। उन्हें

73 किलोग्राम वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल के दावेदार थे। उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है। जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि अरुण से पदक की उम्मीद थी, लेकिन इतने कम समय में उनका विकल्प नहीं चुना जा सकता। मुकेश ने कहा- 'हमें बुधवार को नोटिस मिला है, जिसमें 15 दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। उन्हें जवाब देने का मौका मिलेगा, लेकिन नियमों के तहत वह प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकते। इतने कम समय में किसी दूसरे खिलाड़ी को शामिल करना भी संभव नहीं है।'पीवी सिंधु को चेन युफेई ने 16-21, 22-20, 21-18 से हरायाः-पिछले हफ्ते गुरुवार को वर्ल्ड नंबर-4 और घरेलू खिलाड़ी चेन युफेई ने 16-21, 22-20, 21-18 से हराया। यह मैच 1 घंटे 29 मिनट तक चला। चांगझोउ में सिंधु ने पहला गेम जीतकर शानदार शुरुआत की और दूसरे गेम में भी जीत के बेहद करीब पहुंच गई थीं। उनके पास मुकाबला समाप्त करने के चार मैच प्वाइंट थे, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं। इसका फायदा उठाते हुए युफेई ने लगातार अंक जुटाए और दूसरा गेम 22-20 से जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन अहम मौकों पर युफेई ने बेहतर संयम दिखाया और 21-18 से जीत दर्ज कर ली।

क्या नीरज चोपड़ा नहीं जीतेंगे कॉमनवेल्थ गोल्ड!

ओलिंपिक और खेल संघों की इंटरनल रिपोर्ट- भारत 28 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन कर सकता है

स्पोर्ट्स डेस्क। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सामने 28 साल में अपने सबसे खेल होंगे। भारत के कई मेडल स्पोर्ट्स शूटिंग, वुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी,

कमजोर प्रदर्शन का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय ओलिंपिक संघ और अलग-अलग स्पोर्ट्स फेडरेशन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पैरा स्पोर्ट्स सहित 13 खेलों में 32 पदक मिलने का अनुमान है, जिसमें सिर्फ 7 गोल्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में नीरज चोपड़ा को भी गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। नीरज ने 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। वे ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों को गोल्ड का दावेदार माना गया है उनके नाम आप नीचे दी गई तस्वीर में देख सकते हैं। भारत के मेडल्स कम क्यों आएंगे? 1. जिन खेलों से सबसे ज्यादा मेडल आते हैं, वही इस बार बाहर- कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सफलता का आधार शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेल रहे हैं। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पदक जीते हैं। ग्लासगो 2026 के कार्यक्रम में इन तीनों खेलों को शामिल नहीं किया गया है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा झटका है। ग्लासगो 2026 में बर्मिंघम 2022 के 19 की तुलना में सिर्फ 10 स्क्वैश और क्रिकेट इस बार शामिल नहीं हैं। बर्मिंघम में भारत के 61 में से 30 मेडल इन्हीं खेलों से आए थे। यही वजह है कि इस बार भारत का प्रदर्शन केवल खिलाड़ियों के फॉर्म पर नहीं, बल्कि गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम पर भी निर्भर करेगा। 2. नीरज की फॉर्म चिंता का विषय-भारत के कुछ बड़े मेडल दावेदारों की मौजूदा फॉर्म भी चिंता बढ़ा रही है। जेवलिन थ्रो में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद नीरज चोपड़ा हैं। लेकिन इस बार उनके सामने चुनौती पहले से ज्यादा कठिन होगी। उनकी मौजूदा फॉर्म भी पहले जैसी नहीं है और पाकिस्तान के अरशद नदीम के अलावा ऑस्ट्रेलिया के कैमरन मैकिन्टायर जैसे खिलाड़ी भी नीरज को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। इसलिए रिपोर्ट में नीरज को गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। बॉक्सिंग में भारत की उम्मीदें लवलीना बोरगोहेन जैसे बड़े नामों पर होंगी। हालांकि, पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन उस लेवल का नहीं रहा है, जिसके लिए वे जानी जाती हैं। भारत के कई अन्य बड़े खिलाड़ियों के साथ भी यही स्थिति है। वे पदक जीतने की क्षमता रखते हैं, लेकिन हालिया प्रदर्शन के आधार पर उनके गोल्ड मेडल जीतने की गारंटी नहीं दी जा सकती। 5 खेल ऐसे जिनमें भारत हमेशा से कमजोर-इस बार शामिल 10 में से 5 खेल स्वीमिंग, साइक्लिंग, जूडो, नेटबॉल और जिम्नास्टिक्स में भारत हमेशा से कमजोर रहा है। इसलिए इस बार भारत के मेडल काउंट में बड़ी गिरावट की आशंका है।क्या अहमदाबाद 2030 में बदलेगी तस्वीर? ग्लासगो गेम्स के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी भारत करेगा। अहमदाबाद 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में खेलों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2030 गेम्स में 15 से 17 खेल शामिल किए जा सकते हैं। इससे भारत को शूटिंग, वुश्ती और बैडमिंटन जैसे अपने मजबूत खेलों को वापस कार्यक्रम में शामिल कराने का फायदा मिल सकता है। खेलों की संख्या बढ़ने के साथ मेडल इवेंट्स भी बढ़ेंगे, जिससे भारत के पदक जीतने के मौके बढ़ सकते हैं। ऐसे में ग्लासगो 2026 भारत के लिए चुनौतीपूर्ण एडिशन हो सकता है, लेकिन अहमदाबाद 2030 में तस्वीर पूरी तरह बदलने की उम्मीद है।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 शुरू,125 भारतीय खिलाड़ी 8 खेलों में उतरेंगे, 1,168 मेडल्स के लिए 3,000 से अधिक एथलीट्स में होगा मुकाबला

ग्लासगो। स्कॉटलैंड के शहर ग्लासगो में आज 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत होगी। 2 मंच पर कम्पटीशन का अवसर देना है। भारत ने पहली बार 1934 में हिस्सा लिया था। हॉकी,

अगस्त तक चलने वाले इस इवेंट में 74 देशों के 3,000 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। 10 खेलों में 215 गोल्ड सहित कुल

1,168 मेडल दांव पर होंगे। भारत के 125 खिलाड़ी 8 खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। कॉमनवेल्थ गेम्स कब और कैसे

शुरू हुआ? कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत 1930 में कनाडा के हैमिल्टन में हुई थी। तब इसे ब्रिटिश एम्पायर गेम्स कहा जाता था। पहले एडिशन में ब्रिटिश साम्राज्य से जुड़े 11 देशों के 400 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसमें एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, लॉन बॉल्स, रोइंग, स्विमिंग और रेसलिंग जैसे खेल शामिल थे। 1930 से 1950 तक इस टूर्नामेंट को ब्रिटिश एम्पायर गेम्स कहा गया। 1954 में इसका नाम बदलकर ब्रिटिश एम्पायर एंड कॉमनवेल्थ गेम्स किया गया। 1970 में यह ब्रिटिश कॉमनवेल्थ गेम्स बना और 1978 से इसे कॉमनवेल्थ गेम्स के नाम से जाना जाता है। इसका आयोजन हर चार साल में होता है। इसका मकसद कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ियों को बड़े इंटरनेशनल स्पोर्ट्स मेडल इवेंट्स शामिल हैं। क्रिकेट, हॉकी, बैडमिंटन, शूटिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस और स्क्वैश जैसे खेल ग्लासगो 2026 का हिस्सा नहीं हैं। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सबसे ज्यादा मेडल शूटिंग में ही जीते हैं। भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है? भारत ने 1934 में कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू किया था।भारत ने 1930, 1950, 1962 और 1986 को छोड़कर बाकी सभी एडिशन में हिस्सा लिया है। लंदन 1934 गेम्स में भारत की ओर से छह एथलीटों ने हिस्सा लिया था। भारतीय दल ने 10 ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स और एक कुश्ती स्पर्धा में भाग लिया। इसी एडिशन में भारत ने अपना पहला मेडल जीता था। पहलवान राशिद अनवर ने पुरुषों की 74 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए पहला मेडल हासिल किया था।1934 में डेब्यू के बाद से भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 564 मेडल जीते हैं। इनमें 203 गोल्ड, 189 सिल्वर और 172 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में नया क्या होगा? कॉमनवेल्थ माइल की वापसीः एथलेटिक्स में कॉमनवेल्थ माइल की वापसी होगी। यह इवेंट आखिरी बार 1966 में हुआ था। इसमें 1500 मीटर की जगह 1 मील यानी 1.609 किलोमीटर की मेंस-विमेंस रेस होगी। सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट प्रोग्रामः 2026 में छह खेलों में पैरा-स्पोर्ट्स को पूरी तरह शामिल किया गया है। यह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट प्रोग्राम है। कितने वेन्यू पर होंगे इवेंट्स? कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आयोजन ग्लासगो के चार अलग-अलग वेन्यू पर किया जाएगा। ग्लासगो दूसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2014 में पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किया था। ओपनिंग सेरेमनी में चानू-लवलीना फ्लैग बियरर होंगी-कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 23 जुलाई 2026 को होगी। समारोह ग्लासगो के ओवीओ हाइड्रो एरीना में भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे से 2:30 बजे तक होगी। भारत की ओर से मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन फ्लैग बियरर होंगी। इसमें मशहूर ब्रिटिश सिंगर टॉम वॉकर परफॉर्म करेंगे। मेडल में दिखेगा शहर की पहचान और इतिहास-ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडल्स में मेजबान शहर की पहचान, इतिहास और समावेशिता की झलक दिखेगी। पुरस्कार विजेता आर्टिस्ट और डिजाइनर मिलित्सा मिलेनकोवा ने मेडल डिजाइन किए गए हैं। ये मेडल ग्लासगो के लैंडमार्क्स, कोट ऑफ आर्म्स, औद्योगिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान से प्रेरित हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पहली बार मेडल्स में ब्रेल और टैक्टाइल एलिमेंट्स शामिल किए गए हैं। कहां देख सकते हैं इवेंट्स? भारत में 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के टीवी चैनल पर किया जाएगा। इसके अलावा ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। आप इन खेलों का लुत्फ डीडी स्पोर्ट्स पर भी मुफ्त में उठा सकते हैं।इसके अलावाआधुनिक समाचार पर भी लाइव अपडेट्स पढ़े जा सकेंगे।

जिदान फ्रांस फुटबॉल टीम के मैनेजर बन सकते हैं

पूर्व फुटबॉलर जिनेदिन जिदान वे मंगलवार को अब फ्रांस टीम नई दिशा में आगे बढ़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक,

आधिकारिक तौर पर फ्रांस के मुख्य कोच नियुक्त किए जाने की उम्मीद है। वह 2012 से टीम की कमान संभाल रहे दिदिएर देशां की जगह लेंगे। 54 वर्षीय जिदान 2030 फीफा वर्ल्ड कप तक चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। देशां के लंबे और सफल कार्यकाल के बाद फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए स्पेन के मिडफील्डर रोड्री पर रियल मैड्रिड की नजर है। मैनचेस्टर सिटी के साथ उनका अनुबंध अब केवल एक साल का बचा है, जिससे इस गर्मी में उनके ट्रांसफर की अटकलें तेज हो गई हैं।

अर्लिंग हालैंड ने बताया- थकान सिर्फ दिमाग में होती है; विज्ञान भी यही कहता है

द न्यूयॉर्क टाइम्स। हालिया फुटबॉल वर्ल्ड कप में नॉर्वे के अर्लिंग

हालैंड 7 गोल दागकर टूर्नामेंट के चौथे सबसे सफल खिलाड़ी रहे। 6 फुट 5 इंच लंबे इस खिलाड़ी की फुर्ती और फिटनेस भी चर्चा में रही। उनकी इस शानदार परफॉरमेंस का राज केवल उनकी शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि उनकी गजब की मानसिक मजबूती है। पिछले साल की एक घटना है, जब मैनचेस्टर सिटी की ट्रेनिंग फैसिलिटी में हालैंड एक 'हाइपोक्सिक चैंबर' में एक्सरसाइज बाइक चला रहे थे। यह एक ऐसा कमरा होता है, जहां पहाड़ों जैसी ऊंचाई और तेज गर्मी का माहौल बनाकर हवा में ऑक्सीजन काफी कम कर दी जाती है। हालैंड को पूरी ताकत लगाकर अपना हार्ट रेट 150 बीट्स प्रति मिनट तक ले जाना था। उन्होंने कैमरे की तरफ देखते हुए कहा था कि वह यह बिल्कुल नहीं करना चाहते, लेकिन फिर भी करेंगे क्योंकि यह उनके शरीर और दिमाग दोनों के लिए अच्छा है। हालैंड का खुद को थकावट की लिमिट से आगे ले जाने का तरीका बेहद असरदार है। उनका मानना है कि अगर आप खुद से कहेंगे कि आप थक गए हैं, तो आप सच में थक जाएंगे। लेकिन अगर आप खुद से कहेंगे कि 'मैं इतना भी नहीं थका हूं, सब ठीक है,' तो आपको थकान महसूस नहीं होगी। उनका सीधा सा फंडा है कि हमारे शरीर में हमारी सोच से कहीं ज्यादा सहने की ताकत होती है और यह सब सिर्फ दिमाग का खेल है।

बांग्लादेशी तेज गेंदबाज इबादत हुसैन ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इबादत हुसैन अगले

महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। वे पिता बनने वाले हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के तहत बांग्लादेश 13 अगस्त से डार्विन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। इससे पहले टीम 3 अगस्त से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। बांग्लादेश की चिंता सिर्फ इबादत तक सीमित नहीं है। तेज गेंदबाज नाहिद राणा की साइड इंजरी का स्कैन कराया गया है। पहले टेस्ट में उनकी उपलब्धता पर फैसला होना बाकी है। टीम को उम्मीद है कि अनुभवी बल्लेबाज लिटन दास पिंडली की चोट से उबरकर समय पर फिट हो जाएंगे। बैटिंग कोच मोहम्मद अशरफुल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन जल्दी पहुंचने और अभ्यास मैच खेलने का फायदा मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी खिलाड़ी फिट रहे तो बांग्लादेश अच्छा प्रदर्शन करेगा। हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे टेस्ट में बल्लेबाजी विफल रहने के बावजूद अशरफुल ने कहा कि पिछले सात महीनों में बल्लेबाजों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2-0 की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत का जिक्र करते हुए कहा कि एक-दो खराब मैचों से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास नहीं डगमगाना चाहिए।

अभिनव मुकुंद ने 2027 वर्ल्डकप टीम में रोहित-कोहली को चुना, संजू-तिलक रहेंगे बाहर

पूर्व भारतीय ओपनर अभिनव मुकुंद ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 15 मेंबर्स की भारतीय टीम चुनी है। उन्होंने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के यूट्यूब चैनल पर अपनी टीम का ऐलान किया। अभिनव ने रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भरोसा जताया है। जबकि, संजू सैमसन, तिलक वर्मा और यशस्वी जायसवाल को अपनी टीम से बाहर किया है। शुभमन गिल को कप्तान बनाया है। अभिनव मुकुंद की वर्ल्डकप टीम शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, गुरनूर बराड़। शाहिदी के इस्तीफे के बाद रहमत शाह टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान बने-अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एबीसी) ने हश्मतुल्लाह शाहिदी के इस्तीफे के बाद अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह को टेस्ट और वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है।रहमानुल्लाह गुरबाज दोनों फॉर्मेट में उपकप्तान होंगे। दोनों आयरलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज से नई जिम्मेदारी संभालेंगे। रहमत शाह 2021 से अफगानिस्तान की टेस्ट और वनडे टीम के उपकप्तान रहे हैं। एसीबी ने कहा कि रहमत का अनुभव, नेतृत्व क्षमता और टीम की गहरी समझ अफगानिस्तान क्रिकेट को आगे नई सफलताएं दिलाएगी। हश्मतुल्लाह शाहिदी को मई 2021 में कप्तान बनाया गया था। उनके नेतृत्व में अफगानिस्तान ने 55 वनडे में 27 जीत दर्ज की। 2023 वनडे विश्व कप में टीम ने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और नीदरलैंड को हराकर छठा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई किया, जहां पहले ही अभियान में इंग्लैंड को हराकर पांचवें स्थान पर जगह बनाई। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में सातवें स्थान तक पहुंचा। टीम ने 2024-25 में लगातार पांच वनडे सीरीज जीतीं, जिनमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत भी शामिल रही। बांग्लादेश के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज जीतना भी उनके कार्यकाल की बड़ी उपलब्धियों में रहा।

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराता है। पेड़ और ग्रीन बेल्ट हवा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, इलाकों को ठंडा रखते हैं और शहरों को रहने के लिए अधिक सुखद बनाते हैं। लेकिन जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य केवल यही नहीं है। यह लोगों को गर्म होती पृथ्वी के पहले से स्पष्ट हो चुके प्रभावों से सुरक्षित रखने का भी प्रयास है। लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम्स बढ़ते तापमान के प्रति शहरों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिसका सबसे अधिक लाभ बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों को मिलता है। आज दुनिया के कई बड़े शहरों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटा है, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ती रही है। इसके अलावा, तमाम तरह के शहर मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की है। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी

जलवायु लक्ष्य अपनाए हैं और उन्हें अधिक तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। फिर भी, यदि उन्हें अधिक सहयोग मिले तो वे और तेजी से तथा अधिक व्यापक स्तर पर काम कर सकते हैं। उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता और फंडिंग तक पहुंच की तत्काल आवश्यकता है। अनेक स्थानीय निकायों के पास अब भी इतने संसाधन नहीं हैं कि वे जलवायु परियोजनाओं की पहचान, विकास और क्रियान्वयन कर सकें। साझेदारी से इन जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। सिटी क्लाइमेट फाइनेंस गैप फंड- जिसे जीसीओएम और विश्व बैंक का समर्थन प्राप्त है- पहले ही ऐसी परियोजनाएं विकसित करने में शहरों को सहायता दे रहा है, जो निवेश को आकर्षित कर सकें और आबादी को लाभ पहुंचा सकें। पिछले कुछ वर्षों में इसने 1,400 से अधिक शहरों को जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्रवाई में बदलने में सहायता प्रदान की है। राष्ट्रीय सरकारें अब जलवायु परिवर्तन से निपटने में शहरों की क्षमता को तेजी से स्वीकार कर रही हैं। लेकिन इसे केवल शुरुआत माना जाना चाहिए। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,माइकल ब्लूमबर्ग)

चंद महीनों के युद्ध से कई देश एक दशक पीछे चले गए हैं

ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के बार-बार शुरू होने, रुकने वाले युद्ध के तेल बाजारों पर असर पर विचार करें। हालांकि युद्ध शुरू होने के बाद से वे अत्यधिक अस्थिर रहे हैं, लेकिन उनके उतार-चढ़ाव ने मांग और आपूर्ति के बजाय बदलती धारणाओं और अपेक्षाओं को प्रतिबिम्बित किया हैं- जो अकसर ट्रम्प की सोशल मीडिया पोस्टों से आकार लेती हैं। निश्चित रूप से, ईरान द्वारा होर्मुज को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा आई। लेकिन शिपिंग की दूरी और परिवहन में देरी का मतलब था इसका प्रभाव उपभोक्ताओं और उत्पादकों को तुरंत महसूस नहीं हुआ। फिर भी, विरोधाभासी आधिकारिक घोषणाओं के बार-बार बाजार की उम्मीदों को बदलने के कारण तेल और गैस की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव हुआ। जुलाई की शुरुआत तक, अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक युद्धविराम समझौते के बाद, क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था- जो लगभग उस स्तर पर था, जहां यह युद्ध शुरू होने से पहले फरवरी में था। लड़ाई फिर से शुरू होने पर भी अब तक कीमतों में केवल मामूली वृद्धि ही हुई है। वैश्विक ऊर्जा की कीमतों में अस्थिरता के बावजूद, अमेरिकी शेयर बाजारों ने अप्रैल और जून के बीच 2020 के बाद से अपनी सबसे अच्छी तिमाही दर्ज की और जुलाई की शुरुआत में बढ़ना जारी रखा। इस तेजी का नेतृत्व एआई शेयरों ने किया, जिसे इस विश्वास से बल मिला कि एआई उत्पादकता और आर्थिक विकास में अभूतपूर्व लाभ प्रदान करेगा। कुछ हद तक, यह समृद्ध देशों में आर्थिक गतिविधि पर युद्ध के अपेक्षाकृत सीमित प्रभाव को दर्शाता है। आईएमएफ विकसित अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी वृद्धि में मामूली मंदी का अनुमान लगाता है, जो 1.7फीसदी है। वहीं अमेरिका के 2.3फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में, बेरोजगारी दर अप्रैल में 5फीसदी थी, जो फरवरी 2022 से लगभग अपरिवर्तित है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं के इस लचीलेपन का श्रेय काफी हद तक एआई और क्रिप्टोकरेंसी निवेश में हालिया उछाल को दिया जा सकता है। कई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं- विशेष रूप से चीन, ताइवान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया को भी इससे लाभ हुआ है। वित्तीय बाजारों की वर्तमान आत्मसंतुष्टि इस व्यापक धारणा से और मजबूत हुई है कि दोनों पक्षों की आक्रामकता के बावजूद ईरान के साथ युद्ध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है, या यह केवल एक कम-तीव्रता वाले संघर्ष के रूप में जारी रहेगा, जो होर्मुज से आंशिक आवागमन की अनुमति देता है। फिर भी यह आत्मविश्वास युद्ध के दीर्घकालिक आर्थिक परिणामों को अनदेखा करता है। युद्धविराम के बावजूद, खाड़ी से तेल का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर से काफी नीचे रहा। और भले ही निर्यात पूरी तरह से ठीक हो जाए, निम्न-आय वाले देश आने वाले वर्षों तक आज के ऊर्जा-संकट की लागत वहन करते रहेंगे। सबसे अधिक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उप-उत्पादों में उर्वरक शामिल हैं, जो कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन का अनुमान है कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक उर्वरक की कीमतों में 15-20फीसदी की वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप, किसानों को- विशेषकर निम्न-आय वाले देशों में उर्वरक की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ सिंचाई और परिवहन के लिए ईंधन की उच्च लागत से भी जूझना होगा। खाद के उपयोग में मामूली कमी भी फसल उत्पादन में भारी गिरावट ला सकती है। विश्व बैंक का अनुमान है कि चीन और भारत को छोड़कर, विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति आय का अंतर महामारी से पहले के स्तर पर 2028 के बाद तक वापस नहीं आएगा। विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति आय का अंतर महामारी से पहले के स्तर पर 2028 के बाद तक वापस नहीं आएगा। ग्लोबल साउथ के कई देशों ने युद्ध से एक पूरा दशक गंवा दिया है।(प्रोजेक्ट सिंडिकेट) जयती घोष।

भारतीय युवाओं के सामने उभरती चुनौतियां

लेखक - श्री अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर - कमर्शियल, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भारत की 26फीसदी आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। इसका असर केवल आर्थिक नुकसान तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी वजह से लोगों को गंभीर तनाव से गुज़रना पड़ता है, उनका मानसिक संतुलन बिगड़ता है और उन्हें चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर काम करने से लोगों में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। वर्ष 2025 में भारत में 7फीसदी से अधिक ग्राहकों के साथ डिजिटल लेन-देन के दौरान धोखाधड़ी करने की कोशिश की गई, जो कि वैश्विक दर की तुलना में दोगुनी रही। डिजिटल खतरों में बढ़ोत्तरी- आज के दौर में स्मार्टफोन और टैबलेट शिक्षा, मनोरंजन से लेकर लोगों से संपर्क बनाने और यहां तक कि करियर बनाने की दिशा में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार 15 से 29 साल की उम्र के जिन लोगों के पास मोबाइल हैं, उनमें से 95.5फीसदी लोग ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं, जबकि शहरों में इसी उम्र के 97.6फीसदी लोगों के पास अपना स्मार्टफोन है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते

हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में न केवल साइबर खतरों से जुड़े मामलों में वृद्धि हुई है, बल्कि ये मामले तेज़ी से बढ़ भी रहे हैं। सिर्फ एक साइबर घटना आपको भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने, कानूनी दिक्कतों में डालने और भावनात्मक रूप से तोड़ने के लिए काफी हो सकती है। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनधिकृत डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना ज़रूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद ज़रूरी है। साइबर अपराध और उसे अंजाम देने के तरीके:-जब ऑनलाइन शॉपिंग की बात आती है, तो विभिन्न सोशल मीडिया साइटों पर हमें तरह-तरह के विज्ञापन दिखते हैं और ये युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करते हैं, क्योंकि इन पर ज़बरदस्त सेल ऑफर नज़र आता है। कई विज्ञापनों में तो ऐसे लुभावने प्रोडक्ट होते हैं, जो युवाओं को लगातार अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उसके बाद जैसे ही खरीदार भुगतान कर देते हैं, वैसे ही फर्जी विक्रेता गायब हो जाते हैं। बाद में उनकी ऑनलाइन मौजूदगी का कोई नामोनिशान तक नहीं मिलता। इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों को ढूंढने की सारी कोशिशें नाकामयाब हो जाती हैं और खरीदार को अपने पैसे गंवाने पड़ते हैं। कुछ मामलों में ऐसे विज्ञापनों की लिंक पर टैप या क्लिक करने से आपके मोबाइल पर मैलवेयर इंस्टॉल हो सकता है, जिसकी वजह से आपकी पहचान चुराई जा सकती है और यहां तक कि लोगों के पैसों की डिजिटल चोरी हो सकती है और वे ऑनलाइन वसूली का शिकार भी बन सकते हैं। युवाओं को इस बात की भी सावधानी बरतनी चाहिए कि ऑनलाइन लिंक में छिपा मैलवेयर उनके डिवाइसों को खराब कर सकता है। व्यक्तिगत साइबर पॉलिसी लोगों को कई तरह के कवर पेश करती है, जो कि उपरोक्त घटनाओं की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्रदान करती है। जहां ऑनलाइन शॉपिंग कवर फर्जी शॉपिंग वेबसाइट या ऐप पर की गई खरीदारी से हुए आर्थिक नुकसान से सुरक्षा पेश करता है, वहीं डेटा रिस्टोरेशन कवर मैलवेयर हमले के बाद डिवाइस को सुरक्षित रखने और उसे पुरानी स्थिति में वापस लाने के लिए आईटी पेशेवरों पर होने वाले खर्चों से आपको बचाता है। स्वास्थ्य संबंधी विकार और इंश्योरेंस की अहमियत- आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज़, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18-40 साल की उम्र के 18फीसदी लोग डायबिटीज़ से जूझ रहे हैं, जबकि 25फीसदी लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज़ को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है।इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है कि वे अपने लिए एक ज़बरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ज़रूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी ज़रूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें। इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। जब भी हेल्थ इंश्योरेंस चुनने की बात आए, तो सूझबूझ के साथ ऐसी पॉलिसी लें जिसमें ओपीडी कवर शामिल हो। इस तरह का कवर मामूली बीमारी/विकार के इलाज के लिए खासतौर पर फायदेमंद है, जिसमें आपको अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत नहीं होती और डॉक्टर की सलाह और बताई गई दवाइयों से आसानी से इलाज हो सकता है। इसके अलावा, एक और चुनौती जिसका यह देश सामना कर रहा है वह है कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों में आ रही तेज़ी। इसी के मद्देनज़र बेहतर है कि आप क्रिटिकल इलनेस पॉलिसी कवर का चयन करें। यह एक लाभ-आधारित पॉलिसी है, जिसमें कैंसर, कार्डियक सर्जरी के साथ-साथ कई दूसरी बीमारियों का पता लगने पर आपको एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है। संक्षेप में, इस डिजिटल दौर में भारत के युवा दर्शाते हैं कि वे इस देश की सबसे बड़ी ताकत तो हैं, लेकिन सबसे ज़्यादा साइबर खतरों का सामना भी इसी वर्ग को करना पड़ता है। जहां स्मार्टफोन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षा, करियर और दुनिया से संपर्क बनाने के लिए नए-नए अवसर पेश कर रहे हैं, वहीं इन्हीं के ज़रिए भारतीय युवा साइबर धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे गंभीर खतरों का सामना भी कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए पता लगता है कि इन युवाओं को साइबर इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस दोनों में निवेश करना चाहिए, ताकि वे न केवल डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें, बल्कि उनकी सेहत की भी सुरक्षा हो। इससे भारतीय युवा अचानक से आने वाले किसी भी साइबर खतरे से सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाएं भी आसानी से पूरी कर पाएंगे।

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटर्स की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटर्स स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटर्स से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा। 4. डेटा सेंटर्स को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेट के बैकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है।

इनसे चेर्नोबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटर्स की वजह में ऊर्जा के साथ विदेशी मुद्रा का संकट गहरा सकता है।

5. गर्मी के उत्सर्जन और रैडिएशन की वजह से अमेरिका में डेटा सेंटर बंद करने का आंदोलन चल रहा है। दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से ग्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटर्स की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख्वाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटर्स की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटर्स में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे, ईडी का जुर्माना रद्द, आईपीएल का पैसा विदेश भेजने का केस

बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

नयी दिल्ली। मेरा मकसद सिर्फ आईपीएल का हित था। अब यह चैप्टर खत्म हो गया है और मैं

जिंदगी में आगे बढ़ना चाहता हूं।' यह मामला 2009 में छ्श्च्को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय लोकसभा चुनाव के कारण सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट किया गया था। इसके आयोजन के लिए बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका में करीब 243.45 करोड़ रुपए भेजे थे। बाद में प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया कि यह रकम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन हुआ। ईडी ने 2011 में नोटिस जारी किया और 2018 में ललित मोदी समेत बीसीसीआई के कुछ पूर्व अधिकारियों पर जुर्माना लगाया था। ट्रिब्यूनल बोली- ललित व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं- ललित मोदी ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने ईडी की सबसे अहम दलील ही खारिज कर दी, जिससे पूरे मामले का आधार बदल गया। उनके मुताबिक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि दक्षिण अफ्रीका भेजी गई रकम 'करंट अकाउंट ट्रांजैक्शन' थी, न कि 'कैपिटल अकाउंट ट्रांजैक्शन'। इसलिए इसके लिए आरबीआई की पहले से मंजूरी लेना जरूरी नहीं था। ललित मोदी ने कहा-'ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि वह बीसीसीआई की ओर से फेमा के तहत कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे और न ही उनके पास वह वित्तीय अधिकार थे, जिनका ईडी ने दावा किया था। इससे 2009 के दक्षिण अफ्रीका आईपीएल से जुड़े सबसे बड़े कानूनी मामले का अंत हो गया।' 2018 में लगा था 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना-ईडी ने 2018 में ललित मोदी पर 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस आदेश के खिलाफ अलग-अलग अपील दायर की थीं। अब 16 जुलाई के फैसले में ट्रिब्यूनल ने उन आदेशों में बड़ा बदलाव करते हुए ललित मोदी समेत कई पक्षों को राहत दे दी। ट्रिब्यूनल के इस फैसले से 2010 में भारत छोड़ने के बाद ललित मोदी के सामने मौजूद सबसे बड़ी कानूनी बाधाओं में से एक खत्म हो गई है। हालांकि यह फैसला सिर्फ आईपीएल 2009 के फेमा मामले तक सीमित है। ईडी ने ललित मोदी के खिलाफ कई दूसरी जांचें भी शुरू की थीं। ललित मोदी से जुड़े अन्य मामले-1. आईपीएल ब्रॉडकास्ट राइट्स मामला-जब 2008 में आईपीएल शुरू हुआ, तब टीवी पर मैच दिखाने के अधिकार (ब्रॉडकास्ट राइट्स) वर्ल्ड स्पोर्ट्स ग्रुप (डब्लूएसजी) को दिए गए थे। डब्लूएसजी ने भारत में मैच दिखाने के अधिकार सोनी को दिए। 2009 में आईपीएल के दूसरे सीजन से ठीक पहले ललित मोदी ने सोनी से करार रद्द कर दिया और बिना दोबारा टेंडर निकाले दोबारा डब्लूएसजी के साथ समझौता कर लिया। ईडी ने आरोप लगाया कि आईपीएल के मीडिया और ब्रॉडकास्ट अधिकार देने की प्रक्रिया में फेमा और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े नियमों का उल्लंघन हुआ। इसमें डब्लूएसजी को 425 करोड़ रुपए का फायदा पहुंचाया गया। इस मामले में बाद में विशेष अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया था। इस मामले में ललित मोदी को अभी कोई अंतिम कानूनी राहत नहीं मिली है। 2.बीसीसीआई की अनुशासनात्मक कार्रवाई-2010 में आईपीएल से जुड़े कई विवाद सामने आने के बाद बीसीसीआई ने ललित मोदी को सस्पेंड कर दिया और उनके खिलाफ आंतरिक जांच शुरू की। जांच में बीसीसीआई ने आरोप लगाया कि ललित मोदी ने आईपीएल चलाने के दौरान कई मामलों में नियमों का पालन नहीं किया। इनमें ब्रॉडकास्ट राइट्स, टीमों की बोली, टेंडर प्रक्रिया और वित्तीय फैसलों से जुड़े आरोप शामिल थे। करीब तीन साल तक जांच और सुनवाई चलने के बाद 2013 में बीसीसीआई की अनुशासन समिति ने ललित मोदी को सभी क्रिकेट गतिविधियों से आजीवन प्रतिबंधित कर दिया। लंदन के सबसे महंगे इलाके में रह रहे ललित मोदी-ललित मोदी 2010 से लंदन में रह रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी मीनल मोदी और दोनों बच्चे आलिया और रुचिर भी थे। मीनल मोदी का 2018 में कैंसर से निधन हो गया। ललित मोदी का घर लंदन के बेलग्राविया-चेल्सी इलाके में है, जो शहर के सबसे महंगे इलाकों में गिना जाता है। यह इलाका विदेशी दूतावासों, लग्जरी ब्रांड्स और करोड़ों-करोड़ रुपये की संपत्तियों के लिए मशहूर है। लित मोदी का जन्म दिल्ली के एक बड़े कारोबारी परिवार में हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी अनुमानित कुल संपत्ति 57 करोड़ डॉलर (करीब 4,555 करोड़ रुपए) है। वह अपने परिवार की कंपनी मोदी एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष (प्रेसिडेंट) और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इस कंपनी की स्थापना उनके दादा गुजर मल मोदी ने 1933 में की थी। मोदी एंटरप्राइजेज का कारोबार कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। इनमें फैशन, रसायन (केमिकल), हेल्थकेयर, रिटेल, सैलून, ट्रैवल, पर्सनल केयर, मनोरंजन और एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान) शामिल हैं। समूह के प्रमुख ब्रांडों में केके मोदी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, मोदीकेयर, बीकन ट्रैवल्स, कलरबार, पान विलास पान मसाला, ईगो इटालियन रेस्तरां और गॉडफ्रे फिलिप्स शामिल हैं।

सरकार बोली-सीजेपी को 4 बार बातचीत के लिए बुलाया, सीजेपी ने कहा-नड्डा के घर नहीं जाएंगे, बात करनी है तो सरकार जंतर-मंतर आए

नयी दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 24 घंटे के दौरान सीजेपी को जेपी नड्डा के आवास या ऑफिस पर बातचीत के लिए चार बार ऑफर भेजा गया है। हालांकि सीजेपी ने ऑफर ठुकरा दिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा- सरकार को बात करनी है तो जंतर-मंतर आए या किसी न्यूट्रल जगह पर बातचीत करे। हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। इस बीच नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने कनॉट प्लेस की सभी दुकानें, ऑफिस और रेस्टोरेंट आज शाम 6:30 बजे तक बंद करने की अपील की है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं और फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस लाठीचार्ज का शिकार छात्र क्रिकेट किट पहनकर प्रदर्शन में लौटा। सरकार का बदला रुखः पहले सख्ती, अब बातचीत; क्यों बदली रणनीति? करीब एक महीने से जारी सीजेपी के छात्र आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार की रणनीति में बदलाव दिख रहा है। शुरुआत में सरकार और दिल्ली पुलिस का फोकस प्रदर्शन को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर था। अब सरकार खुलकर बातचीत की पेशकश कर रही है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह वार्ता की कमान संभाल रहे हैं। पिछले 24 घंटे में सीजेपी को चार बार औपचारिक बातचीत का प्रस्ताव भी भेजा गया। 1. आंदोलन लंबा चला, राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा-सीजेपी का आंदोलन 20 जून को जंतर-मंतर से शुरू हुआ और एक महीने बाद भी जारी है। सोनम वांगचुक के अनशन, छात्रों की लगातार मौजूदगी और कई राज्यों से मिले समर्थन ने आंदोलन को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया। 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए। 2. कानून-व्यवस्था से आगे बढ़कर राजनीतिक मुद्दा बना-शुरुआती दिनों में पुलिस ने बैरिकेडिंग, हिरासत और मेट्रो स्टेशनों पर पाबंदियां लगाईं। बाद में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों, छात्र संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आंदोलन का समर्थन किया।इसके बाद सरकार ने बातचीत की पहल तेज की और नड्डा-जितेंद्र सिंह को वार्ता में आगे किया। 3. संसद मार्च के बाद बदला सरकार का रुख-20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। कई प्रदर्शनकारी और 100 से ज्यादा

कॉकरोच पार्टी बोली- धर्मेंद्र प्रधान के हटने तक विरोध करेंगे, भाजपा के गुंडे प्रदर्शन में पहुंचकर पत्थरबाजी कर रहे-अभिजीत दीपके

नयी दिल्ली। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी

का प्रदर्शन जारी है। गुरुवार सुबह हजारों लोग वहां जमा थे। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि भाजपा के भेजे गुंडे प्रदर्शनकारियों के बीच आकर पत्थरबाजी कर रहे हैं। दीपके ने कहा कि जंतर-मंतर पर महीनेभर से प्रदर्शन चल रहा है, लेकिन ऐसी कोई घटना नहीं हुई। अब पत्थरबाजी के जरिए प्रदर्शन को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस खुद पत्थर से भरे ट्रक यहां लेकर आ रही है।इधर, गुरुवार सुबह ही पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी रहेगा। रंका ने कहा कि हम सरकार से बातचीत करने के लिए तैयार थे, लेकिन सरकार ने समय बर्बाद किया। अब उन्हें बात करनी है, तो जंतर-मंतर आना होगा। बुधवार शाम छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हुई-बुधवार रात 8:30 बजे के करीब छात्रों और पुलिस में झड़प हो गई। पुलिस के मुताबिक, कनॉट प्लेस के टॉल्स्टॉय मार्ग के पास कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पत्थरों और बोतलों से हमला कर दिया। इस हमले में एसीपी कनॉट प्लेस विवेक भगत घायल हो गए। जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

गुलाम देशों के लिए शुरू हुआ था कॉमनवेल्थ गेम्स, मिल्खा के जस्बे ने भारत को दिलाया पहला गोल्ड, साइना की जीत से पहली बार नंबर-2 बना

नयी दिल्ली। 14 अक्टूबर 2010- दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 'भारत...भारत...' के

पहलवान राशिद अनवर भारत के लिए पहला कॉमनवेल्थ मेडल जीतने वाले खिलाड़ी थे।

नारों से गूंज रहा था। बैडमिंटन कोर्ट पर साइना नेहवाल थीं। सामने सिर्फ एक फाइनल नहीं था, बल्कि पदक तालिका में भारत का भविष्य भी था। अगर साइना हार जातीं, तो मेजबान भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाता, लेकिन उन्होंने जीत दर्ज की। भारत का 38वां स्वर्ण पदक आया। कुल पदक 101 हुए और पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरे स्थान पर पहुंच गया। आज भी यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत की यह कहानी 2010 में शुरू नहीं हुई थी, इसकी शुरुआत 76 साल पहले हुई थी, जब 1934 में सिर्फ 6 भारतीय खिलाड़ी पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में उतरे थे। उस वक्त भारत पर अंग्रेजों का शासन था, लेकिन पहलवान राशिद अनवर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम इतिहास में दर्ज करा दिया। न सरकार, न राजा... एक पादरी का आइडिया-कॉमनवेल्थ की कहानी शुरू होती है 1891 में। ब्रिटिश साम्राज्य अपने चरम पर था। दुनिया की करीब एक-चौथाई आबादी और विशाल भूभाग पर ब्रिटेन का शासन था। तब एक ब्रिटिश पादरी जॉन एस्टली कूपर ने एक ऐसा सपना देखा, जिसने बाद में दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को जन्म दिया।उन्होंने कहा कि साम्राज्य की ताकत सिर्फ सेना से नहीं, बल्कि लोगों के रिश्तों से भी बढ़ती है। अगर ब्रिटिश साम्राज्य के अलग-अलग देशों के खिलाड़ी एक मैदान पर उतरेंगे तो आपसी भरोसा और भाईचारा मजबूत होगा। उन्होंने इसका नाम दिया- 'पैन-ब्रिटेनिक फेस्टिवल', लेकिन विचार देना आसान था, उसे सच करना मुश्किल। करीब 20 साल तक यह सपना कागजों में ही पड़ा रहा। राजा के राज्याभिषेक ने दिखाया भविष्य-1911 में ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम का राज्याभिषेक हुआ। इसी मौके पर लंदन में फेस्टिवल ऑफ एम्पायर आयोजित किया गया। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के खिलाड़ी पहली बार एक ही आयोजन में उतरे। यह आधिकारिक कॉमनवेल्थ गेम्स नहीं थे, लेकिन इतिहासकार इसे कॉमनवेल्थ गेम्स की पहली झलक मानते हैं। यहीं लोगों को एहसास हुआ कि ऐसा आयोजन सफल हो सकता है। ओलिंपिक में हुई एक बैठक- जिसने इतिहास बदल दिया- 1928 के एम्स्टर्डम ओलिंपिक के दौरान ब्रिटिश साम्राज्य के खेल प्रशासक मिले। यहीं फैसला हुआ कि ओलिंपिक से अलग, हर चार साल में ब्रिटिश साम्राज्य के देशों के लिए अपना एक खेल आयोजन होगा। यही वह फैसला था जिसने कॉमनवेल्थ गेम्स को जन्म दिया। पहले गेम्स लगभग रद्द होने की कगार पर थे-16 अगस्त 1930- कनाडा के छोटे से शहर हैमिल्टन में पहले ब्रिटिश एम्पायर गेम्स शुरू होने वाले थे। लेकिन एक बड़ी समस्या सामने थी। उस समय हवाई यात्रा आम नहीं थी। ज्यादातर खिलाड़ी समुद्री जहाजों से कनाडा पहुंचते थे। कई देशों ने साफ कह दिया कि उनके पास यात्रा का खर्च नहीं है। आयोजकों ने कई टीमों की आर्थिक मदद की। तब जाकर पहला आयोजन हो सका। अगर उस समय कनाडा पीछे हट जाता, तो शायद कॉमनवेल्थ गेम्स का इतिहास वहीं खत्म हो जाता। आज हजारों खिलाड़ी आते हैं- तब सिर्फ 400 थे-पहले संस्करण में केवल 11 देशों के करीब 400 खिलाड़ी। इसमें सिर्फ 6 खेल- एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, स्विमिंग, डाइविंग, कुश्ती और लॉन बॉल्स शामिल थे। आज इन खेलों में हजारों खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं और दर्जनों खेल खेले जाते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास का पहला स्वर्ण पदक ऑस्ट्रेलिया के रोवर बॉबी पियर्स ने जीता। वे बाद में ओलिंपिक चैंपियन भी बने। 1934 में भारत गुलाम था, लेकिन इतिहास लिखा- भारत पहली बार इन खेलों में उतरा। आजाद भारत नहा- ब्रिटिश भारत। पूरे दल में सिर्फ छह खिलाड़ी थे। उनमें से पहलवान राशिद अनवर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का खाता खोला। यानी भारत का पहला कॉमनवेल्थ पदक उस समय आया, जब देश का अपना तिरंगा भी आधिकारिक राष्ट्रीय ध्वज नहीं था। फिर आया ऐसा युद्ध, जिसने खेल ही रोक दिए-1942 और 1946- इन दोनों सालों में कॉमनवेल्थ गेम्स होने थे, लेकिन दुनिया द्वितीय विश्व युद्ध में जल रही थी। लाखों लोग मारे जा रहे थे। ऐसे में खेलों की कोई जगह नहीं थी। इतिहास में केवल यही दो संस्करण हैं, जो विश्व युद्ध की वजह से रद्द हुए। 1950 में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड से खेलों की वापसी हुई। जब साम्राज्य टूट गया, तो खेलों का नाम भी बदल गया- 1930 में इन खेलों का नाम था- ब्रिटिश एम्पायर गेम्स, लेकिन अगले तीन दशकों में दुनिया बदल गई। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, घाना, नाइजीरिया, मलेशिया जैसे कई देश आजाद हो गए।

देश के सबसे उम्रदराज सपा विधायक का निधन, 90 साल उम्र, 5 बार विधायकी जीते

आजमगढ़। देश के सबसे उम्रदराज सपा विधायक

आलमबदी आजमी का 90 साल की उम्र में निधन हो गया। बुधवार देर रात उन्होंने यूपी के आजमगढ़ के आवास पर अंतिम सांस ली। वह पिछले चार महीने से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। शाम 4:30 बजे उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। आलमबदी आजमी निजामाबाद सीट से पांच बार विधायक रहे। अपनी गांधीवादी छवि के लिए मशहूर आलमबदी आजमी को मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के करीबी नेताओं में गिना जाता था। 5 महीने पहले वह स्कूटी से विधानसभा पहुंचे थे, तब सुर्खियों में आए थे। अब 4 विधानसभा सीटें विधायकों के निधन के बाद खाली- आलमबदी के निधन के बाद अब प्रदेश में चार विधानसभा सीटें खाली हो गई हैं। इनमें तीन सीटें सपा और एक सीट भाजपा के खाते की है। इसी साल जनवरी में सोनभद्र की दुद्धी सीट से सपा विधायक विजय सिंह गोंड और बरेली की फरीदपुर सीट से भाजपा विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल का निधन हो गया था। पिछले साल मऊ की घोसी सीट से सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया था। हालांकि, इन सीटों पर अब उपचुनाव नहीं होगा, क्योंकि विधानसभा में अब एक साल से भी कम समय बचा है।

योगी ने ली चुटकी बोले- मैंने देखा रविकिशन नाली साफ कर रहे थे, गोरखपुर में पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया

गोरखपुर। सीएम योगी ने एक बार फिर सांसद रवि किशन की

चुटकी ली। उन्होंने गुरुवार को गोरखपुर में कहा, 'मैंने देखा कि एक दिन बारिश हुई थी तो रवि किशन पानी में घुसकर जा रहे थे। अपने हाथ से नाली साफ कर रहे थे। मैंने उनसे कहा कि अतिक्रमण हटवा दीजिए, पानी अपने आप निकल जाएगा।'योगी ने कहा, 'सुना है रवि किशन ने दावत दी थी। कितने लोगों को भोजन कराया?' इस पर पांच लोगों ने हाथ उठाए। सीएम हंसते हुए बोले, 'दोनों हाथ मत उठाइए।' इसके बाद एक व्यक्ति ने एक हाथ नीचे कर लिया। इस पर योगी ने चुटकी लेते हुए कहा, 'यानी चार लोगों को ही खाना खिलाया।' इसी बीच, मंच पर मौजूद रवि किशन पीछे से बोले, 'महाराज जी, पूरे क्षेत्र को भोजन कराया था।' सीएम ने गुरुवार सुबह 11 बजे गोरखपुर के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। इसके बाद कुछ दूरी तक फ्लाईओवर पर पैदल चले और शिलापट्ट के पास खड़े होकर तस्वीर खिंचवाई। उन्होंने 995 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

गुरुग्राम-मेदांता में 600 जवानों की सिक्योरिटी में सोनम वांगचुक, बोले-भरोसा मिले तो आज ही अनशन खत्म

आपकी चिट्ठी मिली, चर्चा कर रहे- जेपी नड्डा

गुरुग्राम। सोनम वांगचुक के अनशन का आज यानी गुरुवार को 26वां दिन है। मेदांता में पुलिस ने सिक्योरिटी बढ़ा कर दी है। 600 पुलिसकर्मियों को 3 शिफ्टों में

तैनात किया है। एक्जिट गेट बंद कर दिया गया है, अब एंट्री गेट से ही आना-जाना होगा। इसके अलावा बाहरी वाहनों को प्रॉपर अपॉइंटमेंट और रीज़न देने पर ही एंट्री मिलेगी। सोनम वांगचुक ने सरकार को लिखी चिट्?ठी में रखीं ये शर्तें- वांगचुक ने चिट्ठी में सबसे पहले सरकार की ओर से पहल करने का आभार जताया। तीन मांगें रखीं, जिसमें परीक्षा पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा और जवाबदेही तय करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा हो। चिट्ठी में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर विचार करना भी शामिल है। सबसे खास यह कि वांगचुक ने अनशन खत्म करने की शर्त बताते हुए लिखा- 20 जुलाई को हुआ 'चलो संसद' मार्च पुलिस की कार्रवाई के बावजूद शांतिपूर्ण रहा। प्रदर्शनकारियों पर कोई कानूनी केस या उत्पीड़न जैसी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, इस आश्वासन के बाद वे अनशन खत्म कर देंगे। सोनम वांगचुक से मिलने पहुंचे सांसदों ने क्या-क्या कहा-'सांसद प्रिया सरोज : यूपी के मछलीशहर से सपा सांदस प्रिया सरोज ने कहा कि हम लोग बैठे रहेंगे, जब तक हमें मिलने नहीं दिया जाएगा। चाहे रात से सुबह हो जाए, हम मिलकर ही जाएंगे। हमसे पहले कई नेता आए हैं, उनको आपने जाने दिया। हमारे लिए मेडिकल प्रोटोकॉल आ गया? ये मेडिकल प्रोटोकॉल हमें भी दिखाइए। पुलिस का हम लोगों के प्रति रवैया बहुत ही गलत था।सांसद इकरा हसन : यूपी के कैरान से सांसद इकरा हसन ने कहा कि सरकार ये चाहती है कि सोनम सर मर जाएं। बच्चे इसी तरीके से बर्बाद होते रहें। लेकिन, हम ऐसा नहीं होने देंगे। इनके सामने अनशन करने से कुछ नहीं होगा। ये अंग्रेजों से भी बुरे हैं। बिल्कुल भी इंसानियत नहीं है।' सपा सांसद राजीव राय : यूपी के घोसी से सपा सांसद राजीव राय ने कहा कि आपने उनकी (सोनम) पत्नी की बात सुनी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि हमारे पत्र को पाने के बाद आज उन्हें यह अनशन तोड़ना था। लेकिन हमें उनसे मिलने नहीं दिया गया और न ही पत्र देने दिया गया। इसका मतलब है कि कहीं न कहीं साजिश की बू आती है कि सरकार उन्हें अनशन नहीं तुड़वाना चाहती।' आप सांसद संजय सिंहः- आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंहने कहा कि वे वांगचुक से मिलने गए थे। मगर, पुलिस ने जाने नहीं दिया। सरकार वांगचुक को अनशन तोड़ने नहीं देना चाहती, उन्हें मारना चाहती है। हमने सोनम की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो को 55 सांसदों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र सौंपा। इसमें सोनम से अनशन खत्म करने की अपील की गई है। पुलिस को चकमा देकर दो सपा नेताओं ने मेदांता में दिया धरना-बुधवार दोपहर को पुलिस सुरक्षा को चकमा देकर समाजवादी पार्टी के दो नेता मेदांता अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए। दोनों हाथों में बैनर और तख्ती लिए थे। इनमें एक कामेश्वर उर्फ किशन दीक्षित है, जिसने 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के खास प्रत्याशी नीलकंठ तिवारी के खिलाफ साउथ वाराणसी से विधानसभा चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में तिवारी की जीत हुई थी। इसकी सूचना मिलते ही गुरुग्राम सदर पुलिस एक्टिव हुई और तुरंत ही कई टीमें अस्पताल पहुंची। मगर, इससे पहले ही प्रोटेस्ट कर रहे दोनों सपा नेता अपने बैनर लेकर वहां से खिसक लिए। मेदांता अस्पताल की ओर से वांगचुक का हेल्थ बुलेटिन जारी- सोनम वांगचुक को 21 जुलाई की शाम हरियाणा के गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती किया गया। बुधवार शाम मेदांता अस्पताल प्रबंधन की ओर से उनका हेल्थ बुलेटिन जारी किया गया। इसमें बताया कि गया वांगचुक को आईसीयू में रखा गया है। उनका इलाज मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम के कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम कर रही है। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है और वे पूरी तरह होश में हैं। उनके सभी ब्लड प्रेशर, नाड़ी, ऑक्सीजन, आदि सामान्य स्तर पर हैं। उन्हें जो भी इलाज दिया जा रहा है, वह उनकी सहमति से किया जा रहा है। गुरुग्राम में कांग्रेस नेताओं को किया गया हाउस अरेस्ट-सोनम वांगचुक के गुरुग्राम शिफ्ट होने का असर स्थानीय राजनीति पर भी दिखने लगा है। वांगचुक के समर्थन में कांग्रेस नेताओं के प्रदर्शन या उनसे मुलाकात की आशंका को देखते हुए पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई की। कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर समेत 10 से अधिक वरिष्ठ नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया गया। पुलिस ने इन सभी नेताओं को लिखित नोटिस जारी कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और मेदांता हॉस्पिटल की ओर मार्च या प्रदर्शन नहीं करने की सख्त हिदायत दी है।

गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उन्हें दो दिन हो चुके हैं। बुधवार को उनसे मिलने पहुंचे आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था। पुलिस और सांसदों के बीच बहस हुई। नाराज सांसद गेट पर ही धरने पर बैठ गए। इसे लेकर करीब एक घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद सोनम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें कहा-'अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मैं आज ही अनशन खत्म करने को तैयार हूं। बस सरकार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई न करे।' उधर, शाम को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्?डा ने प्रेस कॉन्फ्रेस की और कहा कि वांगचुक ने हमें ओपन लेटर लिखा है। हम जल्दी उस लेटर का जवाब देंगे। इसके अलावा ण्व्ङ के लोगों की बातें भी हमने शांति से सुनी। उन्होंने अपनी बातें लिखकर दी हैं। हम चर्चा को तैयार है। जब कहेंगे हम चर्चा करेंगे। उधर, मंगलवार के घटनाक्रम को देखते हुए

आंदोलन का हिंसक होना बेहद दुखद,सलमान खान ने प्रोटेस्ट पर कहा- राजनीतिक रंग न दें, ये शिक्षा का मुद्दा, आलिया बोलीं- वे अपने लिए नहीं लड़ रहे

मुंबई। लंबी चुप्पी के बाद फिल्म इंडस्ट्री से जंतर-मंतर में छात्रों के साथ हुई हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने वाले सलमान खान पहले सुपरस्टार बन चुके हैं। उन्होंने न सिर्फ छात्रों के साथ हुई हिंसा की कड़ी निंदा की, बल्कि उनके विरोध

प्रदर्शन को सही करार दिया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द ही उनका साथ देगी और शिक्षा व्यवस्था में बेहतरी होगी। साथ ही एक्टर ने कहा कि ये सिर्फ छात्रों और शिक्षा का मुद्दा है इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश नहीं करना चाहिए। सलमान खान ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने स्कूल के दिनों की एक तस्वीर शेयर कर लिखा-'यह एक

बेहद शांतिपूर्ण आंदोलन था। यह देखकर बहुत दुख होता है कि इसे हिंसक मोड़ लेना पड़ा। इस आंदोलन में घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।पेपर लीक एक बहुत गंभीर मुद्दा है। यह देखकर खुशी होती है कि हमारे देश के छात्र बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग के लिए एकजुट होकर सामने आए हैं और उनके माता-पिता ने भी उनका साथ दिया है।' आगे सलमान खान लिखते हैं, 'मैं छात्रों के इस कदम की दिल से सराहना करता हूं। उन्होंने जिस समर्पण, ईमानदारी और मेहनत से पढ़कर अपना भविष्य बनाने का जज्बा दिखाया है, वह काबिले-तारीफ है। यही युवा पीढ़ी एक शिक्षित और मजबूत भारत का निर्माण करेगी और देश का नाम रोशन करेगी।' सलमान ने आगे लिखा, 'यह आंदोलन और यह विरोध प्रदर्शन बिल्कुल सही दिशा में किया गया है और छात्रों ने इसे पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाया। उनका साहस, हिम्मत और शिक्षा के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है।' 'यह मुद्दा छात्रों और शिक्षा व्यवस्था के बीच का है। इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। इसका पूरा श्रेय सिर्फ हमारे देश के छात्रों को मिलना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार भी उनका साथ देगी और हमारी शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सकारात्मक कदम उठाएगी। यह सभी के लिए फायदे की स्थिति होगी। मैं सकारात्मक फैसले की उम्मीद और प्रार्थना करता हूं। भगवान उन सभी का भला करे जो शिक्षा हासिल करना चाहते हैं।'इच्छा है कि शिक्षा ही अगला ट्रेंड बने- सलमान खान- अपनी लंबी-चौड़ी पोस्ट के आखिर में सलमान ने लिखा है, 'मेरी इच्छा है कि शिक्षा ही अगला ट्रेंड और फैशन बने। हर साल पढ़ाई को लेकर लोगों का उत्साह और बढ़े। इतना कि बाहर से लोग भारत में पढ़ने आएं और भारत ही एजुकेशन हब बने। कॉकरोच जनता पार्टी ने री-शेयर किया पोस्ट-सलमान खान की पोस्ट सामने आने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के ऑफिशियल इंस्टाग्राम से इसे री-शेयर किया गया है। आलिया भट्ट ने लिखा- वे सिर्फ अपने लिए नहीं लड़ रहे-सलमान खान के बाद अब आलिया भट्ट ने भी स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर पोस्ट शेयर की है। उन्होंने भावुक अंदाज में लिखा है-'पिछले कुछ दिनों ने मेरा दिल बार-बार तोड़ा भी है और फिर उम्मीद के सहारे उसे जोड़ भी दिया है। हर उस स्टूडेंट के पीछे, जो अपने हक के लिए डटकर खड़ा है, एक सपना है, एक परिवार की उम्मीद है और अनगिनत त्यागों से भरा एक सफर है। वे सिर्फ अपने लिए नहीं लड़ रहे, बल्कि उन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जिन्होंने उन पर भरोसा किया है। साथ ही वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर रास्ता भी तैयार कर रहे हैं।' आगे आलिया ने लिखा है, 'उनका साहस मुझे विनम्र बना के साथ। भविष्य उनका है। जय हिंद।' आलोचना होने के बीच आर.माधवन ने दिया समर्थन-एक्टर आर.माधवन की नीट पेपर लीक से जुड़े प्रोटेस्ट पर चुप्पी साधे रहने पर जमकर आलोचना हुई, जबकि वह इऊघ्घ के चेयरमैन हैं। कुछ स्टूडेंट्स ने उनके कैबिन के बाहर पोस्टर चिपकाते हुए उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए। इसी बीच अब बुधवार को आर.माधवन ने स्टूडेंट प्रोजेस्ट पर लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा है-'शिक्षा ही हमारे देश का भविष्य तय करती है। हर छात्र को ऐसी शिक्षा व्यवस्था मिलनी चाहिए, जो ईमानदार, पारदर्शी और योग्यता के आधार पर काम करे। मुझे भारत के युवाओं की क्षमता पर हमेशा भरोसा रहा है। इसलिए मैं उन लाखों छात्रों और उनके परिवारों की चिंता और दुख को समझ सकता हूं, जो पेपर लीक जैसी घटनाओं से परेशान हैं। ऐसी घटनाएं छात्रों की मेहनत, सपनों और शिक्षा व्यवस्था पर लोगों के भरोसे को तोड़ देती हैं। भारत जैसे देश में, जहां शिक्षा जीवन बदलने का सबसे बड़ा माध्यम है, यह बहुत गंभीर बात है।' आगे माधवन लिखते हैं, 'मैं सरकार से अपील करता हूं कि इस मामले में जो भी दोषी हैं, उन्हें जल्द से जल्द कानून के अनुसार कड़ी सजा मिले। सजा ऐसी हो कि भविष्य में कोई भी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न करे। मुझे भरोसा है कि सरकार इस मामले से सबक लेकर शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगी और आगे ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए जरूरी कदम उठाएगी।' 'मैं उन सभी छात्रों से कहना चाहता हूं जो आज निराश हैं, हिम्मत मत हारिए। आपकी मेहनत, आपका धैर्य और आपकी ईमानदारी किसी भी खराब व्यवस्था से कहीं ज्यादा मजबूत है। मेहनत करते रहिए, खुद पर विश्वास रखिए और किसी एक बुरे अनुभव को अपने भविष्य का फैसला मत बनने दीजिए।' प्रोटेस्ट में शामिल हुए कई सितारे-सीनियर एक्टर शबाना आजमी और प्रकाश राज 20 जुलाई को जंतर-मंतर में हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके बाद से ही कई सेलेब्स अलग-अलग शहरों में हो रहे प्रोटेस्ट का हिस्सा बन रहे हैं। धुरंधर एक्ट्रेस आएशा खान को मंगलवार को मुंबई के प्रोटेस्ट में शामिल होने के दौरान डीटेन किया गया है, जिसके बाद एक्ट्रेस नाराज नजर आईं। वहीं आमिर खान के भांजे इमरान खान भी प्रोटेस्ट में पहुंचे। टीवी एक्टर सेहबान अजीम प्रोटेस्ट में 2 दोस्तों को बचाते हुए लाठीचार्ज का शिकार हो गए, जिससे उनके हाथ में सूजन आ गई है। प्रोटेस्ट के सपोर्ट में उतर रहे हैं बॉलीवुड सेलेब्स-एक्टर अनुपम खेर ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन को सबसे निष्पक्ष और ईमानदार बताया, साथ ही उन्हें बाहरी राजनीतिक दलों के एजेंडे से सावधान रहने की हिदायत दी। वहीं, रत्ना पाठक शाह ने मौजूदा स्थिति की तुलना पौराणिक कथा के द्रोणाचार्य से की और सीमा पाहवा ने फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। छात्रों पर बात कर रो पड़े सीनियर एक्टर रघुबीर यादव, कहा- दरिंदगी दिखाई गई-पंचायत फेम एक्टर रघुबीर यादव ने सोशल मीडिया से एक वीडियो जारी की, जिसमें छात्रों के साथ हुई बर्बरता पर बात कर वो रो पड़े।

हिट फिल्म देने के बाद भी 15 महीने बेरोजगार रहीं कृति स्टारकिड्स ने छीने बड़े रोल, जिस किरदार पर सवाल उठे, उसी ने दिलाया नेशनल अवॉर्ड

मुंबई। आज कृति सेनन बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उनके नाम नेशनल अवॉर्ड, कई सुपरहिट

फिल्में और अपना प्रोडक्शन हाउस है। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता रिजेक्शन, अकेलेपन, तानों और आत्मविश्वास की लड़ाई से होकर गुजरा है। यह कहानी उस लड़की की है, जिसने कभी एक्टिंग का सपना नहीं देखा था, लेकिन रास्ता चुना तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'पहले रैंप शो के बाद मैं ऑटो में बैठकर पूरे रास्ते रोती रही थी... पहले फोटोशूट के बाद भी घर जाकर रोई थी। हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने काम नहीं मिला। कई बार ऐसा हुआ कि जिस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया, आखिर में वह किसी स्टार किड को मिल गई। कई-कई महीने तक कोई ऑडिशन नहीं आता था। मैं मां को दिन में दस-दस बार फोन करके रोती थी।' दिल्ली की इंजीनियरिंग स्टूडेंट, जिसने सपनों के दम पर बॉलीवुड तक का सफर तय किया-कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ। उनके पिता राहुल सेनन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर रह चुकी हैं। उनकी छोटी बहन नूपुर सेनन भी अभिनय और सिंगिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। कृति ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), आर.के. पुरम से की। इसके बाद जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की। 'मैं पढ़ाई में अच्छी थी, फिल्मों में आने का कभी नहीं सोचा'- कृति सेनन ने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में उनका पूरा ध्यान पढ़ाई पर रहता था। वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन बेहद शर्मीली भी थीं। वह कहती हैं,'मुझे स्टेज पर जाने से भी डर लगता था। डांस करना पसंद था, लेकिन एक्टिंग, थिएटर या ड्रामा में मैंने कभी हिस्सा नहीं लिया। फिल्मों में आने का तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था।' स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। जिंदगी तय रास्ते पर चल रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही लड़की आगे चलकर बॉलीवुड की बड़ी स्टार बनेगी। बी.टेक के दौरान एक सलाह ने बदल दी जिंदगी-इंजीनियरिंग के दौरान एक दिन किसी ने कृति से कहा, 'तुम्हारी हाइट अच्छी है, मॉडलिंग क्यों नहीं ट्राय करती?' पहली प्रतिक्रिया थी- 'नहीं... ये मेरे बस की बात नहीं।' लेकिन फिर उन्होंने सोचा कि कोशिश करने में नुकसान नहीं है। अगर कुछ नहीं हुआ, तो कम से कम कॉन्फिडेंस बढ़ जाएगा। यही फैसला उनकी जिंदगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट बन गया। बहन ने खींचीं तस्वीरें- और किस्मत ने नया दरवाजा खोल दिया-कृति के पास प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उनकी छोटी बहन नूपुर ने घर पर ही कुछ तस्वीरें खींचीं। आज उन तस्वीरों को देखकर कृति खुद हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, 'आज भी जब वो तस्वीरें देखती हूं तो हंसी आती है कि कितनी अजीब थीं।' उन्होंने वही तस्वीरें एक वेबसाइट पर चल रहे फ्रेश फेस कॉन्टेस्ट में भेज दीं। इनाम था- मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी से मुफ्त पोर्टफोलियो शूट। कृति को सिर्फ इतना पता था कि डब्बू रत्नानी से फोटोशूट महंगा होता है। फैशन और मॉडलिंग की दुनिया के बारे में उन्हें कुछ भी नहीं मालूम था। किस्मत ने साथ दिया...वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। यहीं से मॉडलिंग का पहला कॉन्ट्रैक्ट मिला और फिल्मों तक जाने वाली राह खुली। कृति सेनन -'मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन फिल्मों में आऊंगी। मैं बहुत शर्मीली थी। स्टेज पर जाने से भी डरती थी।' पहला फोटोशूट... और घर जाकर फूट-फूटकर रोईं-किसी नए इंसान के लिए कैमरे के सामने खड़ा होना आसान नहीं होता। कृति के लिए भी नहीं था। उन्हें नहीं पता था कि कैमरे की तरफ कैसे देखना है, हाथ कहां रखने हैं और एक्सप्रेशन कैसे देने हैं। शूट के दौरान फोटोग्राफर ने मुस्कुराते हुए सिर्फ इतना कहा,'ये तुम्हारा पहला फोटोशूट है ना?' बात सामान्य थी, लेकिन कृति को लगा कि शायद वह खराब काम कर रही हैं। शूट खत्म हुआ- वह सीधे घर पहुंचीं और रो पड़ीं। आज भी कृति मानती हैं कि अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने 100 प्रतिशत नहीं दिया, तो यह बात उन्हें लंबे समय तक परेशान करती है। पहले रैंप शो में सबके सामने डांट पड़ी... ऑटो में बैठकर रोती रहीं-अगर फोटोशूट मुश्किल था, तो पहला रैंप शो उससे भी कठिन साबित हुआ। नर्वसनेस के कारण रैंप पर कोरियोग्राफी में गलती हो गई। शो खत्म हुआ तो कोरियोग्राफर ने करीब 50 मॉडल्स के सामने उन्हें डांट दिया। कृति कुछ नहीं बोलीं। चुपचाप बाहर निकलीं...एक ऑटो में बैठीं...और पूरे रास्ते रोती रहीं। घर पहुंचकर भी काफी देर तक उनके आंसू नहीं रुके। मां ने उन्हें समझाते हुए कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह दुनिया तुम्हारे लिए बनी है। यहां टिकना है तो बहुत मजबूत बनना पड़ेगा। लोगों की बातें सुनकर टूटोगी तो आगे नहीं बढ़ पाओगी।' शायद यही वह दिन था, जब कृति ने तय किया कि अब रोना बंद... सीखना शुरू। हार मानना कभी नहीं सीखा-कृति मानती हैं कि उनके अंदर यह आदत हमेशा से रही है। अगर वह गिरती हैं, तो दोबारा उठकर कोशिश करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं आसानी से हार नहीं मानती। शायद यही वजह है कि हर बार गिरने के बाद मैंने खुद को एक और मौका दिया। धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।' यही जिद आगे चलकर उन्हें मॉडल से अभिनेत्री और फिर नेशनल अवॉर्ड विजेता कलाकार बनाने वाली थी। मुंबई में अकेली रहने लगीं, जीमैट की तैयारी भी करती थीं- परिवार ने कहा- पहले सपना पूरा करो- पहले रैंप शो की डांट और शुरुआती असफलताओं के बाद कृति सेनन ने हार नहीं मानी। मॉडलिंग आगे बढ़ रही थी, लेकिन फिल्मों का रास्ता अभी भी धुंधला था। इसी बीच उन्होंने मुंबई आने का फैसला किया। यह आसान नहीं था, क्योंकि वह कभी घर से दूर नहीं रही थीं। 'मैं कभी हॉस्टल में नहीं रही थी'-कृति बताती हैं, 'मैं हमेशा अपने परिवार के साथ रही थी। घर में हर सुविधा थी। कॉलेज तक कार चलाना सीख लिया था, लेकिन कभी अकेले रहने की नौबत नहीं आई थी।' मुंबई आने के शुरुआती पांच-छह महीने आसान रहे, क्योंकि उस समय उनके पिता की पोस्टिंग भी मुंबई में थी। लेकिन उसके बाद... पापा वापस चले गए और पहली बार कृति पूरी तरह अकेली रह गईं। किराए का घर... कामवाली... खाना... सारी जिम्मेदारी खुद संभाली- जिंदगी बदल चुकी थी। किराए का घर लेना, खर्च संभालना, खाना बनवाना, कामवाली का इंतजाम करना... हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। इसके साथ ही वह फिल्मों के लिए ऑडिशन दे रही थीं। इसी दौरान वह जीमैट की तैयारी भी कर रही थीं। घरवालों ने उनके लिए प्लान-बी भी तैयार रखा था। अगर एक्टिंग में बात नहीं बनी, तो आगे की पढ़ाई करके दूसरा करियर बनाया जा सकता था। लेकिन कृति के मन में अब सिर्फ एक सपना था। फिल्म इंडस्ट्री के बारे में कुछ नहीं जानती थीं-मुंबई पहुंचकर उन्हें सबसे ज्यादा अनजान दुनिया ने परेशान किया। कृति कहती हैं, 'मुझे समझ ही नहीं आता था कि शुरुआत कहां से करूं। किससे मिलूं. किस प्रोडक्शन हाउस में जाऊं, कौन-सी फिल्म करनी चाहिए और कौन-सी नहीं। मुझे कुछ भी नहीं पता था।' वह किसी फिल्मी परिवार से नहीं थीं। उनके लिए बॉलीवुड सिर्फ पर्दे की चमक थी। पर्दे के पीछे की दुनिया बिल्कुल नई थी। कृति सेननः- जब आप किसी फिल्मी परिवार से नहीं आते, तो चुनौती सिर्फ एक्टिंग की नहीं, बल्कि अपनी पहचान बनाने की भी होती है।

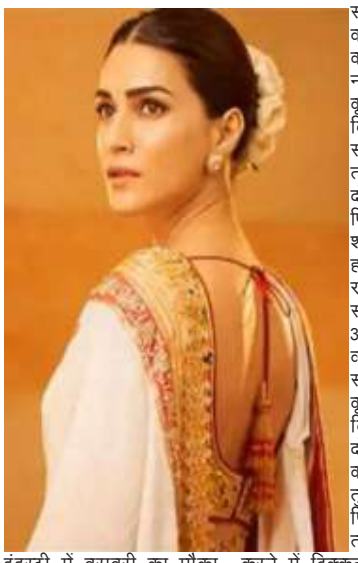

इंडस्ट्री में बराबरी का मौका आसानी से नहीं मिलता। 'मैं सिर्फ शाहरुख, माधुरी और

ऋतिक की फैन थी'-कृति बताती हैं कि उन्हें फिल्मों से प्यार था। वह माधुरी दीक्षित, शाहरुख खान और ऋतिक रोशन की बड़ी फैन थीं। लेकिन वह मानती हैं कि फैन होना और इंडस्ट्री को समझना अलग बातें हैं। उन्हें यह भी नहीं पता था कि करियर कैसे बनाया जाता है, किससे मिलना चाहिए और कौन सही सलाह देगा। एजेंसी बनी सबसे बड़ी ताकत-कृति मानती हैं कि शुरुआती दिनों में उनकी मॉडलिंग एजेंसी ने उनका काफी साथ दिया। उन्हें समझाया गया कि कब ऑडिशन देना चाहिए, कब किसी रोल के लिए इंतजार करना चाहिए और कब किसी फिल्म को छोड़ना चाहिए। नए कलाकार के लिए सही सलाह बड़ी ताकत होती है। कृति को यह सहारा मिल गया था। मां ने कहा- 'सपनों को मत रोकना'-कृति की सफलता के पीछे उनके माता-पिता का भरोसा सबसे बड़ी ताकत रहा। वह बताती हैं कि उनकी मां अपनी जिंदगी में बहुत कुछ करना चाहती थीं। गाना सीखना... तैरना सीखना... और भी कई सपने... लेकिन उन्हें उतनी आजादी नहीं मिली। शायद यही वजह थी कि उन्होंने अपनी बेटी से हमेशा कहा,'जो करना चाहती हो, अभी कर लो। सपनों को कभी मत रोकना। वरना बाद में सिर्फ पछतावा रह जाएगा।' यही बात कृति के दिल में बस गई। पापा का भरोसा नहीं होता, तो शायद यह फैसला कभी नहीं ले पाती-कृति मानती हैं कि परिवार का साथ नहीं होता तो वह शायद कभी फिल्मों में आने की हिम्मत नहीं जुटा पातीं। वह कहती हैं, 'अगर उस समय पापा का भरोसा मेरे साथ नहीं होता, तो शायद मैं इतना बड़ा फैसला कभी नहीं ले पाती।' हर स्ट्रगल करने वाले कलाकार को ऐसा परिवार नहीं मिलता। कृति मानती हैं कि यह उनकी सबसे बड़ी ताकत थी। दोस्त ने कहा-फिल्मों में गई तो शादी नहीं होगी-सपनों के रास्ते में सिर्फ संघर्ष नहीं आया...लोगों की सोच भी सामने आई। कृति बताती हैं कि उनके एक दोस्त ने उनसे कहा था,'अगर तुम मॉडलिंग या फिल्मों में गई, तो बाद में शादी करने में दिक्कत होगी।' यह सुनकर उन्हें हैरानी हुई। उन्हें लगा कि उनकी ही पीढ़ी के लोग आज भी किसी स्टार किड या स्थापित कलाकार को मिल गया। कृति कहती हैं, 'उस समय मन में यही सवाल आता था कि अगर लेना ही नहीं था, तो फिर ऑडिशन क्यों कराया?' हर बार उम्मीद टूटती थी, लेकिन अगली सुबह फिर नए ऑडिशन की तैयारी शुरू हो जाती थी। महीने गुजर जाते थे, कोई ऑडिशन नहीं आता था-रिजेक्शन से ज्यादा मुश्किल था... इंतजार। कई-कई महीने गुजर जाते थे, जब कोई ऑडिशन नहीं आता था। फोन नहीं बजता था। कोई कॉल नहीं... कोई मीटिंग नहीं... कोई उम्मीद नहीं... नए कलाकार के लिए यही सबसे कठिन दौर होता है। कृति कहती हैं कि उस समय लगता था जैसे जिंदगी रुक गई हो, क्योंकि इंडस्ट्री में कोई उन्हें जानता तक नहीं था। 'मैं मां को दिन में 10-10 बार फोन करती थी'-अकेलापन धीरे-धीरे मानसिक दबाव में बदलने लगा। भविष्य की चिंता- काम न मिलने का डर... और परिवार से दूर रहने के दर्द के बीच उनकी सबसे बड़ी ताकत थीं- उनकी मां। कृति उस दौर को याद कर इमोशनल हो जाती हैं। वह करती हैं, 'मैं मां को दिन में दस-दस बार फोन करती थी। कई बार सिर्फ रोती रहती थी। समझ नहीं आता था कि आगे क्या होगा।' हर बार मां उन्हें एक ही बात कहतीं- 'धैर्य रखो... मेहनत करती रहो... सही समय जरूर आएगा।' यही भरोसा उन्हें टूटने नहीं देता था। कृति सेनन (एक्ट्रेस)-आउटसाइडर होने की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि हर कदम पर खुद को साबित करना पड़ता है। आउटसाइडर होना सबसे बड़ी चुनौती था- कृति मानती हैं कि किसी फिल्मी परिवार से न होना अपने आप में संघर्ष है। वह कहती हैं, 'आज किसी स्टार किड की पहली फिल्म आती है, तो लोग पहले से उसे जानते हैं। मीडिया में चर्चा होती है। लेकिन जब कोई बिल्कुल नया लड़का या लड़की आता है, तो लोगों को पता भी नहीं चलता कि उसकी फिल्म कब रिलीज हुई।' यही वजह थी कि उन्हें हर फिल्म, हर ऑडिशन और हर किरदार के लिए खुद को बार-बार साबित करना पड़ता था। 'मॉडल्स एक्टिंग नहीं कर सकतीं'- संघर्ष सिर्फ रोल पाने का नहीं था। लोगों ने उन्हें लेकर पहले से राय बना ली थी। कई लोगों का मानना था कि मॉडल सिर्फ दिखने में अच्छी होती हैं, वे अभिनय नहीं कर सकतीं। कृति को अक्सर सिर्फ 'खूबसूरत चेहरा' समझा जाता था। उन्हें लगता था कि लोग उनकी मेहनत नहीं, सिर्फ उनका लुक देख रहे हैं। 'बरेली की बर्फी' के लिए भी लोगों को भरोसा नहीं था-जब अश्विनी अय्यर तिवारी की फिल्म 'बरेली की बर्फी' का ऑफर मिला, तब भी कई लोगों ने सवाल उठाए। लोगों का कहना था कि कृति छोटे शहर की साधारण लड़की का किरदार नहीं निभा पाएंगी। लेकिन कृति ने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने किरदार को समझा, उसकी भाषा सीखी, उसका व्यवहार अपनाया। फिल्म रिलीज हुई, तो वही किरदार उनके करियर का बड़ा मोड़ बन गया। 'बिट्टी मिश्रा' के रूप में कृति ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ ग्लैमरस रोल निभाने वाली अभिनेत्री नहीं हैं। 'पानीपत' में कहा गया- मराठी लड़की जैसी नहीं लगती- 'बरेली की बर्फी' के बाद भी सवाल खत्म नहीं हुए। फिल्म 'पानीपत' के दौरान लोगों ने कहा- 'कृति मराठी लड़की जैसी नहीं लगतीं।' शुरुआत में यह डर खुद कृति के मन में भी था। वह सोचती थीं कि पता नहीं इस किरदार में कैसी लगेंगी। लेकिन जैसे ही उन्होंने कॉस्ट्यूम पहना, मेकअप किया और किरदार में उतरना शुरू किया, सारा डर गायब हो गया। उन्हें एहसास हुआ कि कलाकार की असली पहचान उसका अभिनय होता है, सिर्फ चेहरा नहीं। कृति की सबसे बड़ी सीख-लगातार रिजेक्शन, आलोचना और इंतजार ने उन्हें एक बात सिखाई- दूसरों की राय आपकी पहचान तय नहीं कर सकती। उन्होंने हर 'नहीं' को अगली 'हां' की तैयारी बना लिया। यही सोच आगे चलकर उन्हें उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म तक ले गई। 'मिमी' करने से लोगों ने रोका, लेकिन उसी फिल्म ने दिलाया नेशनल अवॉर्ड-'बरेली की बर्फी' के बाद कृति सेनन ने साबित कर दिया था कि वह सिर्फ ग्लैमरस रोल निभाने वाली अभिनेत्री नहीं हैं। फिर भी उन्हें लगता था कि इंडस्ट्री उन्हें पूरी तरह कलाकार के रूप में स्वीकार नहीं कर रही। उन्हें ऐसे किरदारों का इंतजार था, जो उनके अभिनय की असली परीक्षा लें। यह इंतजार फिल्म 'मिमी' के साथ खत्म हुआ। 'इतनी जल्दी मां का रोल मत करो'-जब कृति के पास 'मिमी' की स्क्रिप्ट आई, तो कई लोगों ने सलाह दी कि इतनी कम उम्र में मां का किरदार निभाना सही फैसला नहीं होगा। लोगों का मानना था कि इससे उनकी ग्लैमरस इमेज प्रभावित होगी और करियर पर असर पड़ सकता है। लेकिन कृति ने वही किया, जो हमेशा करती आई थीं। उन्होंने लोगों की नहीं, कहानी की सुनी। कृति कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे जरूरी कहानी थी। मुझे उस किरदार का सफर बहुत खूबसूरत लगा। अगर कहानी दिल को छू रही है, तो बाकी बातें मायने नहीं रखतीं। मुझे वह फैसला कभी जोखिम नहीं लगा।' किरदार के लिए बढ़ाया वजन, खुद को पूरी तरह बदल दिया-'मिमी' सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। यह कृति के करियर की सबसे बड़ी चुनौती थी। सरोगेट मां के किरदार को पर्दे पर सच्चाई के साथ उतारने के लिए उन्होंने वजन बढ़ाया, लुक बदला और किरदार की भावनाओं को समझने में महीनों लगाए। जब फिल्म रिलीज हुई, तो दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी उनके अभिनय की जमकर तारीफ की। जिस अभिनेत्री को कभी सिर्फ 'खूबसूरत चेहरा' कहा जाता था, वही अब अभिनय के लिए सराही जा रही थी। नेशनल अवॉर्ड ने बदल दी पहचान-'मिमी' के लिए कृति सेनन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री) मिला। यह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था। यह उन तमाम रिजेक्शन, इंतजार, तानों और संघर्षों का जवाब था, जिनसे वह वर्षों तक गुजरी थीं। जिस लड़की को कभी कहा गया था कि मॉडल एक्टिंग नहीं कर सकती... उसी ने देश का सबसे बड़ा अभिनय सम्मान जीत लिया। आज भी मानती हैं-रिजेक्शन जरूरी थे-आज जब कृति अपने संघर्ष के दिनों को याद करती हैं, तो उन्हें किसी से शिकायत नहीं होती। वह मानती हैं कि अगर शुरुआत में उन्हें इतनी असफलताएं नहीं मिली होतीं, तो शायद वह इतनी मजबूत कलाकार नहीं बन पातीं। उनके शब्दों में, 'अगर मुझे शुरुआत में इतने रिजेक्शन नहीं मिले होते, तो शायद मैं आज की कृति सेनन नहीं होती। हर रिजेक्शन ने मुझे कुछ नया सिखाया और बेहतर बनने के लिए मजबूर किया।' हर किरदार के साथ तोड़ा एक नया स्टीरियोटाइप-'बरेली की बर्फी' में छोटे शहर की लड़की- 'पानीपत' में ऐतिहासिक किरदार- 'मिमी' में सरोगेट मां- 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में रोबोट- और 'दो पत्ती' में अभिनेत्री के साथ निर्माता-कृति ने हर बार नया जोखिम उठाया। शायद यही वजह है कि आज उन्हें सिर्फ स्टार नहीं, बल्कि भरोसेमंद अभिनेत्री माना जाता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।